दैनिक कीर्तिप्रभा — खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 186 पृष्ठ 12, रीवा

रविवार 29 मार्च 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

नयागढ़ में पर्यटक बस हादसा, 5 की मौत, 30 से अधिक घायल

-हनुमान घाटी के पास नियंत्रण खोने से पलटी बस, कई यात्री गंभीर; राहत-बचाव में जुटी टीमें

नयागढ़, ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब एक निजी टूरिस्ट बस अनियंत्रित होकर पलट गई। मृतकों में बस चालक समेत चार महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान हरि पात्रा, लक्ष्मी पात्रा, सुप्रभा साहू और सुमति साहू के रूप में हुई है।

मध्यप्रदेश में चौंकाने वाला मामला.......
एक ही पैथोलॉजिस्ट 26 अलग-अलग लैब्स की रिपोर्ट्स पर हस्ताक्षर

जबलपुर हाईकोर्ट ने मामले में मेडिकल सिस्टम में चल रही गड़बड़ियों सवाल उठाए

जबलपुर । मध्यप्रदेश में पैथोलॉजी लैब्स से जुड़ा गंभीर मामला सामने आया है, जिस पर हाईकोर्ट ने कड़ा रुख दिखाया है। जबलपुर स्थित हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने लैब रिपोर्ट्स की विश्वसनीयता और मेडिकल सिस्टम में चल रही गड़बड़ियों सवाल उठा दिए हैं। जबलपुर हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा कि हर मरीज को सही और सटीक मेडिकल रिपोर्ट मिलना उसका मौलिक अधिकार है, और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं हो सकती है। सुनवाई के दौरान सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि एक ही पैथोलॉजिस्ट 26 अलग-अलग लैब्स की रिपोर्ट्स पर हस्ताक्षर कर रहा है। इस पर कोर्ट ने सख्त टिप्पणी कर पूछा कि एक व्यक्ति एक दिन में कितनी रिपोर्ट्स की जांच कर सकता है और कितनी जगहों पर मौजूद रह सकता है। जबलपुर कोर्ट ने प्रथा को "मेडिकल नैतिकता की हत्या" बताकर संकेत दिया कि कई लैब्स में जांच का काम टेक्नीशियन कर रहे हैं, जबकि डॉक्टर केवल औपचारिक रूप से साइन करने पहुंचते हैं। यह मामला राज्य सरकार के उस नियम से जुड़ा है, जिसमें एक पैथोलॉजिस्ट को अधिकतम दो लैब्स तक सीमित करने का प्रावधान किया है। इस नियम को महाकौशल एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) सहित कई संगठनों ने चुनौती दी है। उनका तर्क है कि यह नियम डॉक्टरों की कार्य स्वतंत्रता में हस्तक्षेप करता है, जबकि दूसरी ओर कुछ लोग मरीजों की सुरक्षा के लिए जरूरी मानते हैं।

नीतीश और नितिन 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में लेंगे शपथ

नई दिल्ली. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। इसी दिन शिवेश राम, रामनाथ ठाकुर और उपेंद्र कुशवाहा भी उच्च सदन की सदस्यता ग्रहण करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच, राज्यसभा चुनाव के बाद यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या नीतीश कुमार और नितिन नवीन को 30 मार्च तक बिहार विधानमंडल की सदस्यता से इस्तीफा देना होगा।

अजित पवार हादसे के बाद डीजीसीए ने जारी की नई गाइडलाइन......

नई दिल्ली वीआईपी और वीवीआईपी (जैसे मुख्यमंत्री, राज्यपाल आदि) को ले जाने वाले नॉन-शेड्यूल्ड विमान और हेलिकॉप्टर ऑपरेटर्स के लिए नई गाइडलाइन जारी कर दी गई है। डीजीसीए ने दो टूक कहा कि फ्लाइट क्रू पर किसी भी तरह का दबाव नहीं डाला जाए, ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा से समझौता न हो।

अमरावती को आंध्रप्रदेश की राजधानी बनाने विधानसभा में पेश हुआ प्रस्ताव

अमरावती, आंध्रप्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को विधानसभा में एक अहम प्रस्ताव पेश किया, जिसमें केंद्र सरकार से अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में वैधानिक मान्यता देने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 मार्च को बिहार आएंगी

पटना, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 मार्च को बिहार आएंगी, जहां वे राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर में आयोजित होने वाले दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। एक अधिकारी ने कहा कि मुर्मू, जो विश्वविद्यालय की विजिटर (पर्यवेक्षक) भी हैं, इस समारोह में मुख्य अतिथि होंगी। यह आयोजन पुनर्जीवित विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा, क्योंकि जून 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा उद्घाटन किए जाने के बाद, यह इसके स्थायी परिसर में आयोजित होने वाला पहला दीक्षांत समारोह होगा।

मानसून सत्र में पीएम और सीएम को हटाने से जुड़े बिल पेश होंगे

नई दिल्ली प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को गंभीर आरोपों मे 30 दिन लगातार जेल में रहने की स्थिति में पद से हटाने से जुड़े तीन विधेयक आगामी मानसून सत्र में पेश किए जाएंगे। इन प्रस्तावित बिलों पर संयुक्त संसदीय समिति द्वारा विस्तृत जांच की जा रही है। समिति को अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए समय-सीमा बढ़ा दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने किया जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन और बोले. इसकी असली हकदार जनता

नोएडा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का अनोखे अंदाज में उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने जनता को कार्यक्रम का हिस्सा बनाते हुए मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाकर एयरपोर्ट का शुभारंभ कराने की अपील की और कहा कि इस परियोजना के असली हकदार देश के नागरिक हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी सुबह करीब 11रू30 बजे जेवर पहुंचेए जहां उन्होंने सबसे पहले एयरपोर्ट की अत्याधुनिक टर्मिनल बिल्डिंग का निरीक्षण किया। इसके बाद दोपहर 12रू30 बजे रिमोट बटन दबाकर एयरपोर्ट के पहले चरण का औपचारिक उद्घाटन किया। कार्यक्रम से पहले एक डॉक्यूमेंट्री के जरिए एयरपोर्ट की विशेषताओं को प्रस्तुत किया गया। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहाए कि उद्घाटन अभी पूरा नहीं हुआ हैए मैंने सिर्फपर्दा हटाया है। असली उद्घाटन आप करेंगे। इसके बाद उन्होंने उपस्थित लोगों से अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाने का आह्वान किया। हजारों लोगों ने एक साथ फ्लैश लाइट जलाकर ष्भारत माता की जयष् के नारों के बीच इस ऐतिहासिक पल को साकार किया।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथए राज्यपाल आनंदीबेन पटेलए केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडूए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री को फिरोजाबाद की प्रसिद्ध कांच कला से बनी भगवान बुद्ध की प्रतिमा भेंट की।

गौतम बुद्ध नगर जिले में यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे स्थित यह एयरपोर्ट दिल्ली.एनसीआर का दूसरा प्रमुख हवाई अड्डा है। करीब 7ए200 एकड़ में फैला यह प्रोजेक्ट सेंट्रल पार्क ;न्यूयॉर्कद्ध से लगभग आठ गुना बड़ा है। पब्लिक.प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित इस एयरपोर्ट के पहले चरण में एक रनवे और एक टर्मिनल बनाया गया हैए जिसकी सालाना क्षमता 1ण्2 करोड़ यात्रियों की है। भविष्य में इसे बढ़ाकर 7 करोड़ यात्रियों तक करने की योजना है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, बड़ा हादसा टला

नई दिल्ली, राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब इंडिगो की विशाखापट्टनम से आ रही एक उड़ान को आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा। विमान में संभावित इंजन खराबी की आशंका के चलते पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए इमरजेंसी लैंडिंग का निर्णय लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विमान ने सुबह विशाखापट्टनम से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी। उड़ान सामान्य रूप से जारी थी, लेकिन दिल्ली पहुंचने से कुछ समय पहले पायलट को इंजन में तकनीकी खराबी का संकेत मिला। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सूचित किया गया और इमरजेंसी प्रोटोकॉल लागू कर दिया गया। एयरपोर्ट प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए रनवे नंबर-28 को पूरी तरह खाली करा लिया। साथ ही दमकल की गाड़ियां, एंबुलेंस और मेडिकल टीमों को रनवे के पास तैनात कर दिया गया।

इसी के साथ पूरे क्षेत्र में "फुल इमरजेंसी" घोषित कर दी गई थी, ताकि किसी भी संभावित खतरे से निपटा जा सके। पायलट की कुशलता और ग्राउंड स्टाफ के समन्वय से विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई। विमान के सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उनकी स्थिति सामान्य पाई गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इंजन में तकनीकी खराबी या संभावित इंजन फेलियर इस इमरजेंसी का कारण हो सकता है।

मथुरा विवाद- इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई टली, अब 10 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई

प्रयागराज,। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद से जुड़े मामलों की शनिवार को प्रस्तावित सुनवाई टल गई है। अब मामले पर अगली सुनवाई 10 अप्रैल को होगी। बहुचर्चित और संवेदनशील मामले पर देशभर की नजरें बनी हुई हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट में पिछले कई महीनों से विवाद से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। हिंदू पक्ष की ओर से दायर याचिकाओं में शाही ईदगाह मस्जिद को हटाने और विवादित भूमि पर अधिकार की मांग हुई है। अदालत अब 10 अप्रैल को इन याचिकाओं पर आगे की प्रक्रिया तय करेगी। वर्तमान में हाईकोर्ट में हिंदू पक्ष की कुल 18 याचिकाएं लंबित हैं। वहीं, मस्जिद पक्ष ने 22 अगस्त को सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 151 के तहत एक आवेदन दाखिल किया था। इस आवेदन में सभी समेकित मुकदमों की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई है, जिस पर भी अदालत को विचार करना है।

यह मामला सिर्फ हाईकोर्ट तक सीमित नहीं है, बल्कि सुप्रीम कोर्ट में भी मथुरा विवाद जुड़े विभिन्न पहलुओं पर सुनवाई जारी है। दोनों अदालतों में चल रही कार्यवाही के कारण यह विवाद राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

गौरतलब है कि मथुरा में स्थित विवादित स्थल लंबे समय से कानूनी और ऐतिहासिक बहस का केंद्र रहा है। हिंदू पक्ष का दावा है कि 17वीं सदी में मुगल शासक औरंगजेब के शासनकाल में स्थित प्राचीन केशवदेव मंदिर को तोड़कर मस्जिद का निर्माण किया गया था। उनका कहना है कि यह स्थल भगवान कृष्ण का जन्मस्थान है। इस विवाद में भूमि स्वामित्व, पूजा के अधिकार और पुरातात्विक जांच जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं, जिन पर अदालत में विस्तृत बहस जारी है। दूसरी ओर, मुस्लिम पक्ष मस्जिद की ऐतिहासिक और कानूनी वैधता का दावा करता है। इस विवाद में मंदिर की जमीन पर स्वामित्व, पूजा का अधिकार और स्थल की पुरातात्विक जांच जैसे मुद्दे शामिल हैं। वर्तमान में इलाहाबाद हाईकोर्ट में 18 से अधिक याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें दोनों पक्ष अपने-अपने दावे पेश कर रहे हैं।

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर कांग्रेस में बगावत, पार्टी छोड़ सकते हैं विधायक

कांग्रेस ने पांच विधायकों को जारी किए नोटिस, 30 को दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली, हरियाणा में हाल ही में संपन्न हुए राज्यसभा चुनावों के बाद कांग्रेस में अंदरूनी कलह और बगावत खुलकर सामने आ गई। क्रॉस वोटिंग के मुद्दे पर पार्टी द्वारा उठाए गए सख्त कदमों के बाद अब कई विधायकों के पार्टी छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। हरियाणा में 16 मार्च को राज्यसभा की सीटों के लिए मतदान हुआ था। कांग्रेस ने कर्मवीर सिंह बौद्ध को अपना उम्मीदवार बनाया था, जबकि बीजेपी ने निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को अपना समर्थन दिया था।

इस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार कर्मवीर सिंह बौद्ध को एक वोट से जीत मिली, लेकिन कांग्रेस के पांच विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की थी और इसके चलते बीजेपी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सतीश नांदल को 27 वोट मिले थे। इस मामले में कांग्रेस ने क्रॉस वोटिंग करने वाले पांच विधायकों को नोटिस जारी किया। इस नोटिस के बाद विधायकों ने बागी तेवर अपना लिए हैं और पार्टी में फूट पड़ने की नौबत आ गई है। जिनको नोटिस दिया गया है इनमें से चार के नाम पार्टी के प्रभारी बीके हरिप्रसाद ने 18 मार्च को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सार्वजनिक किए जिनमें शैली चौधरी, रेनू बाला, मोहम्मद इलियास, मोहम्मद इजराइल के नाम शामिल हैं। पांचवें विधायक का नाम सार्वजनिक रूप से नहीं बताया गया, लेकिन सूत्रों के मुताबिक इसमें रतिया के जरनैल सिंह का भी जिक्र था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नोटिस पाने वाले विधायकों में से मोहम्मद इलियास ने सीएम नायब सिंह सैनी से मुलाकात की थी और शुक्रवार को वह केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से भी मिलने गए थे। खट्टर को लेकर माना जाता है कि अब भी उनका हरियाणा बीजेपी पर होल्ड है और उनकी सलाह पर ही सीएम सैनी अहम फैसले लेते हैं।

दुनिया ने देखी ताकत, स्वदेशी लॉन्ग रेंज एयर डिफेंस सिस्टम कुशा का पहला परीक्षण

-अब भारत सीमाओं की रक्षा नहीं करेगा बल्कि आसमान में भी पकड़ करेगा मजबूत

नई दिल्ली, मिडिल ईस्ट में जंग जारी है। इसी बीच भारत ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। भारत ने पहली बार अपनी अगली पीढ़ी की एयर डिफेंस ताकत की झलक दुनिया को दिखाई। यह सिर्फ एक सिस्टम नहीं है। यह संदेश है कि आने वाले समय में भारत सिर्फ अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करेगा बल्कि आसमान पर कंट्रोल की लड़ाई में भी पीछे नहीं रहेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ) ने अपने स्वदेशी लॉन्ग रेंज एयर डिफेंस सिस्टम प्रोजेक्ट कुशा का पहला परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिसे आधिकारिक तौर पर एक्सटेंडेड रेंज एयर डिफेंस सिस्टम यानी ईआरएडीएस कहा जा रहा है और इसे सीधे तौर पर एस400 एयर डिफेंस सिस्टम जैसे सिस्टम के बराबर माना जा रहा है। करीब 21,700 करोड़ का यह प्रोजेक्ट भारत के सबसे अहम सैन्य और नागरिक ठिकानों को एक अभेद सुरक्षा कवच देने के लिए बनाया जा रहा है,

सक्रिय हो रहा वेदर सिस्टम............आज से देश के कई राज्यों में आंधी और बारिश की संभावना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देशभर में मौसम तेजी से बदल रहा है और कई राज्यों में बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी की संभावना जाहिर की गई है। राजस्थान में शनिवार से नया वेदर सिस्टम सक्रिय हुआ है, जिसका असर राज्य के सभी जिलों में देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश के साथ ओले गिरने की भी आशंका है। बीते 24 घंटों में जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर और बीकानेर में मौसम साफ और धूप तेज रही, लेकिन अब बदलाव शुरू हो गया है।

मध्यप्रदेश में 29 मार्च से लगातार तीन दिन तक आंधी और बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम सक्रिय रहेगा। भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर सहित करीब 40 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, शनिवार को प्रदेश में गर्मी का असर बना रहेगा। उत्तर प्रदेश में भी मौसम बदला हुआ है। लखनऊ और कानपुर समेत कई जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है, और अगले पांच दिनों तक यही स्थिति बनी रह सकती है। कहीं-कहीं ओलावृष्टि की भी संभावना है। बिहार में पटना सहित कई जिलों में आंधी के साथ बारिश दर्ज की गई, और आज 38 जिलों में अलर्ट जारी है। पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर दिख रहा है। हिमाचल प्रदेश में अगले छह दिनों तक बर्फबारी की संभावना है। वहीं जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर-लेह हाईवे पर एवलांच की घटना में 7 लोगों की मौत हो गई, जिससे स्थिति गंभीर बनी हुई है। आने वाले दो दिनों में पूर्वोत्तर राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में तेज बारिश की संभावना है। वहीं महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल में हल्की बारिश हो सकती है। 30 मार्च को पश्चिम बंगाल, सिक्किम, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी हल्की बारिश के आसार हैं।

शेयर बाजार में हाई रिटर्न का लालच देकर ठगे 12 लाख, दिल्ली पुलिस ने किया पर्दाफाश

पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार, दुबई में बैठा चैतन्य चला रहा गिरोह

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में साइबर टीम ने निवेश धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 6 मोबाइल फोन और 35 बैंक खातों का विवरण बरामद किया है। दिल्ली पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 4 सितंबर 2025 को एन राय नाम के एक व्यक्ति ने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने बताया कि वे अरुणाचल प्रदेश के रहने वाले हैं और वर्तमान में दिल्ली में रह रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें एक कंपनी के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया था। उन्होंने बताया कि 7 जुलाई 2025 को एक ओटीसी खाता खोलने के बाद उनसे परिणीति जैन और उसके साथियों ने कई मोबाइल नंबरों के जरिए संपर्क किया। उन्होंने हाई रिटर्न का लालच देकर पैसे निवेश करने के लिए उकसाया।

तेल की धार में बहा बाजार, सूचकांक 1,690 अंक लुढ़का

पश्चिम एशिया संघर्ष में कोई कमी नहीं आने के संकेत से आई गिरावट, एनएसई निफ्टी में 487 अंक की गिरावट

मुंबई,

स्थानीय शेयर बाजारों में शुक्रवार को दो दिन की तेजी थम गई और बीएसई सूचकांक 1,690 अंक लुढ़क गया जबकि एनएसई निफ्टी में 487 अंक की गिरावट आई। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में संघर्ष में कमी आने के संकेत के अभाव में बाजार में गिरावट आई। कारोबारियों के अनुसार कच्चे तेल की कीमत 100 डालर प्रति बैरल से ऊपर रहने, रुपए में गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी बाजार की धारणा को कमजोर किया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक 1,690.23 अंक यानी 2.25 फीसद गिरकर 73,583.22 पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह 1,739.04 अंक टूटकर 73,534.41 तक पहुंच गया। बीएसई में सूचीबद्ध कुल शेयरों में से 3,544 शेयरों में गिरावट, 822 में बढ़त और 135 शेयर स्थिर रहे। एनएसई का 50 शेयरों वाला निफ्टी 486.85 अंक यानी 2.09 फीसद गिरकर 22,819.60 पर बंद हुआ। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी दिवस वाले सप्ताह में, बीएसई सूचकांक 949.74 अंक टूटा और निफ्टी 294.9 अंक नीचे आ गया। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण निवेशकों की धारणा कमजोर रही।

इस संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 डालर के पार चली गईं। लगातार विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपए में गिरावट ने जोखिम लेने की क्षमता और कम कर दी। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में सबसे ज्यादा 4.55 फीसद की गिरावट दर्ज की गई, उसके बाद इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड कारपोरेशन में बढ़त दर्ज की गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 11.41 अरब डालर घटकर 698.346 पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मार्च को समाप्त में 11.413 अरब डालर घटकर 698.346 अरब डालर रह गया। मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार में भारी गिरावट की वजह से विदेशी मुद्रा भंडार घटा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 7.05 अरब डालर घटकर 709.76 अरब डालर रहा था। 27 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में 4.88 अरब डालर की वृद्धि हुई थी और यह अब तक के सबसे उच्चतम स्तर 728.49 अरब डालर पर पहुंच गया था। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 20 मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 2.13 अरब डालर बढ़कर 557.69 अरब डालर हो गईं। डालर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में घट-बढ़ के प्रभाव शामिल होते हैं।

चांदी में 11,250 रुपए प्रति किलो, सोने में 1,900 रुपए प्रति 10 ग्राम की गिरावट

नई दिल्ली,

सर्राफा बाजार में शुक्रवार को कीमती धातुओं की कीमतों में पांच फीसद तक की गिरावट आई। चांदी 11,250 रुपए लुढ़ककर 2.30 लाख रुपए प्रति किलोग्राम रही, जबकि सोना टूटकर 1.47 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की

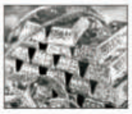

कीमत 11,250 रुपए यानी लगभग पांच फीसद लुढ़ककर 2,30,000 रुपए प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई, जो बुधवार को बाजार बंद होने के समय 2,41,250 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

राम नवमी के कारण गुरुवार को सर्राफा बाजार बंद थे। सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 फीसद शुद्धता वाला सोना 1,900 रुपए, यानी 1.3 फीसद टूटकर 1,47,800 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। पिछले बाजार सत्र में सोने की कीमत 1,49,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। विश्लेषकों ने कहा कि सर्राफा कीमतें अस्थिर रहीं, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और वैश्विक संकेतों ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित किया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 37.19 डालर, यानी लगभग एक फीसद बढ़कर 4,416 डालर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 0.23 फीसद बढ़कर 68.12 डालर प्रति औंस पर थी।

आरबीआइ ने वीआरआर नीलामी के जरिए बैंकों में डाले 65,322 करोड़

मुंबई,

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने शुक्रवार को बैंकिंग प्रणाली में छह दिन की वेरिएबल रेट रेपो (वीआरआर) नीलामी के जरिए 65,322 करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली। परिवर्तनीय रेपो दर नीलामी आरबीआइ की बैंकों में अल्पकालिक नकदी डालने के लिए उपयोग की जाने वाली एक मौद्रिक नीति पहल है। निश्चित रेपो दर के उलट, वीआरआर में ब्याज दर नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित की जाती है, जिससे बैंकों को धनराशि के लिए बोली लगाने की अनुमति मिलती है।

केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि यह राशि 5.26 फीसद की कट-आफ और 5.29 फीसद की भारित औसत दर पर उपलब्ध कराई गई।

केंद्रीय बैंक ने बयान में कहा कि यह राशि 5.26 फीसद की कट-आफ और 5.29 फीसद की भारित औसत दर पर उपलब्ध कराई गई।

बैंकों में अग्रिम कर भुगतान और जीएसटी निकासी के कारण अधिशेष नकदी में तेज गिरावट के बावजूद डाली गई राशि 75,000 करोड़ रुपए की घोषित राशि से कम रही।

वर्तमान में 26 मार्च तक बैंकों में लगभग 48,698.38 करोड़ रुपए की अधिशेष नकदी होने का अनुमान है। पिछले कुछ दिनों में केंद्रीय बैंक ने विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामियों के माध्यम से बैंकों में 2,08,208 करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

पश्चिम एशिया संकट : पायलटों के संगठन 'एल्पा इंडिया' ने डीजीसीए को लिखा पत्र

उच्च जोखिम वाले संघर्ष क्षेत्रों में उड़ानें रोकने की मांग

नई दिल्ली,

पायलटों के संगठन 'एअरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (एल्पा) इंडिया' ने शुक्रवार को नागर विमानन मंत्रालय और विमानन नियामक डीजीसीए से आग्रह किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच उच्च जोखिम वाले संघर्ष क्षेत्रों के लिए उड़ान संचालन को तब तक निलंबित किया जाए, जब तक केंद्रीय स्तर पर जोखिम का आकलन नहीं हो जाता।

संगठन ने युद्ध जोखिम बीमा की जरूरतों पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे क्षेत्रों में उड़ान भरने वाले चालक दल के सभी सदस्यों के लिए वैध बीमा कवरेज तुरंत शुरू करने सहित सत्यापन भी किया जाए। इस बीमा कवरेज में युद्ध जोखिम से जुड़े प्रावधान शामिल हों। अमेरिका, इजराइल और ईरान से जुड़े पश्चिम एशिया के संघर्ष ने हवाई सेवाओं को काफी प्रभावित किया है और इस वजह से कई एअरलाइन ने अपनी उड़ानें सीमित कर दी हैं।

संगठन ने युद्ध जोखिम बीमा की जरूरतों पर जोर देते हुए कहा कि ऐसे क्षेत्रों में उड़ान भरने वाले चालक दल के सभी सदस्यों के लिए वैध बीमा कवरेज तुरंत शुरू करने सहित सत्यापन भी किया जाए।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को लिखे पत्र में एल्पा इंडिया ने कहा कि वाणिज्यिक एअरलाइन के पास संघर्ष क्षेत्रों में खतरों का सही आकलन करने के लिए जरूरी खुफिया, निगरानी और भू-राजनीतिक विश्लेषण की क्षमता नहीं होती, इसलिए डीजीसीए को तत्काल समीक्षा कर ऐसे क्षेत्रों में उड़ानों को रोकना चाहिए।

संगठन ने यह भी मांग की कि संघर्ष क्षेत्रों में उड़ान संचालन के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप स्पष्ट और बाध्यकारी दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। पत्र में एअर इंडिया के संचालन संबंधी निर्णयों की भी जांच की मांग की गई है, ताकि यह तय किया जा सके कि चालक दल और यात्रियों को जोखिम में डालने की जिम्मेदारी किसकी है, खासकर अगर पर्याप्त युद्ध जोखिम बीमा नहीं हो। इससे पहले 18 मार्च को भी एल्पा इंडिया ने चालक दल और यात्रियों के लिए युद्ध जोखिम बीमा सुनिश्चित करने की मांग उठाई थी।

आस्था

अयोध्या में शुक्रवार को राम नवमी पर सरयू नदी में पूजा करतीं महिलाएं।

आइफोन उपयोगकर्ता भी अब एक फोन पर चला सकेंगे वाट्सएप के दो खाते

नई दिल्ली,

मेटा के स्वामित्व वाले वाट्सएप ने कई नई सेवाएं शुक्रवार को पेश कीं। इनके तहत एप्पल आइफोन उपयोगकर्ता अब एक ही फोन पर दो खाते एक साथ चला सकेंगे। इसके अलावा तस्वीर संपादन और संदेश लिखने के लिए नए कृत्रिम मेधा उपकरण भी जोड़े गए हैं। कंपनी ने कहा कि 'टू अकाउंट्स, वन फोन' सेवा जो पहले केवल एंड्रायड उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध थी अब आइओएस पर भी शुरू की जा रही है।

वाट्सएप ने अपने 'ब्लाग पोस्ट' में कहा कि इस 'अपडेट' के बाद उपयोगकर्ताओं को व्यक्तिगत एवं कामकाजी बातचीत के लिए दो अलग-अलग फोन रखने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। ऐप के नीचे वाले 'टैब' में दिखाई देने वाली 'प्रोफाइल' तस्वीर के जरिए उपयोगकर्ता सक्रिय खाते की पहचान कर सकेंगे।

जनरेटिव यानी सृजन से जुड़े एआइ के बढ़ते उपयोग के बीच वाट्सएप ने मेटा एआइ को सीधे 'चैट' में एकीकृत किया है। उपयोगकर्ता अब किसी तस्वीर को भेजने से पहले तस्वीर में सुधार कर सकते हैं, अनचाहे तत्व हटा सकते हैं, पृष्ठभूमि बदल सकते हैं या अलग-अलग शैली लागू कर सकते हैं। एआइ उपकरण से जुड़ी संभावित सुरक्षा चिंताओं पर कंपनी ने जोर देते हुए कहा कि उपयोगकर्ताओं की चैट 'पूरी तरह निजी' रहेंगी। कंपनी ने यह भी कहा कि मेटा एआइ सेवाएं सभी उपयोगकर्ताओं को तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाएंगी। 'क्रास-प्लेटफार्म चैट ट्रांसफर' भी आसान बना दिया गया है।

गोयल ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि से अगले चरण पर की चर्चा

नई दिल्ली,

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ बैठक में भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता के अगले चरण पर चर्चा की। कैमरून के याउंडे में विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन(एमसी14) के दौरान हुई मुलाकात में दोनों ने डब्ल्यूटीओ की बैठक से संबंधित कई मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया।

चार दिवसीय सम्मेलन 26 मार्च को शुरू हुआ। गोयल ने सोशल मीडिया पर पर लिखा, विश्व व्यापार संगठन मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के दौरान अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर के साथ बहुत ही सार्थक चर्चा हुई।

हमने विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के एजेंडा और भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौता वार्ता में अगले कदमों पर विचार-विमर्श किया और अपने आर्थिक सहयोग और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों देशों ने पिछले महीने घोषणा की थी कि उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक रूपरेखा को अंतिम रूप दे दिया है।

कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्य आसमान छूने के मद्देनजर वित्त मंत्री ने कहा

पूर्णबंदी की गुंजाइश नहीं, गलतफहमी न फैलाएं

नई दिल्ली,

संसद ने शुक्रवार को आम बजट 2026-27 को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर कच्चे तेल के अंतरराष्ट्रीय मूल्य आसमान छूने के मद्देनजर दो-टूक शब्दों में कहा कि भारत में पूर्णबंदी की कोई गुंजाइश नहीं है और इसे लेकर गलतफहमी नहीं फैलाई जानी चाहिए।

राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब के बाद वित्त विधेयक 2026-27 को ध्वनिमत से लौटा दिया। इसी के साथ उच्च सदन ने अनुदान की अनुपूरक मांगों और उससे जुड़े विनियोग विधेयक को भी

राज्यसभा ने वित्त मंत्री के जवाब के बाद वित्त विधेयक 2026-27 को ध्वनिमत से लौटा दिया।

ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा इनको पहले ही मंजूरी दे चुकी है। राज्यसभा में वित्त मंत्री सीतारमण ने वित्त विधेयक और विनियोग विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि देश को विकसित बनाने और 140 करोड़ भारतीय नागरिकों की अकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। चर्चा के दौरान कुछ सदस्यों ने यह प्रश्न किया था कि पेट्रोल एवं डीजल पर उत्पाद कर घटाए जाने के बाद सरकार 2026 वित्त वर्ष में 4.3 फीसद के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को कैसे हासिल करेगी? वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार के कुल राजस्व में उत्पाद शुल्क से होने वाले राजस्व का योगदान करीब 10 फीसद होता है। सीतारमण ने कहा कि अतिरिक्त साधनों को जुटाना, विकास को बढ़ावा देने वाले व्यय को प्राथमिकता देना, कल्याणकारी व्यय को बेहतर तरीके से लक्षित करना तथा राजकोषीय कामकाज में अधिक पारदर्शिता रखना, सरकार की महत्त्वपूर्ण पहचान रहे हैं।

रखरखाव

जोखिम में आ चुकी गैर-एएसआइ विरासत संरचनाओं की एक सूची तैयार करने की भी सिफारिश

संसदीय समिति ने ब्रिटिश कालीन स्मारकों के संरक्षण का दिया सुझाव

नई दिल्ली,

संसद की एक समिति ने विभिन्न पुराने जिला कलेक्टरेट भवनों को 'ध्वस्त' किए जाने की ओर ध्यान दिलाते हुए भारतीय पुरातत्व संरक्षण (एएसआइ) के दायरे में नहीं आने वाली ब्रिटिशकालीन धरोहर स्थलों के संरक्षण का सुझाव दिया है। साथ ही समिति ने 'जोखिम में आ चुकी गैर-एएसआइ विरासत संरचनाओं की, राज्य सरकारों के साथ तालमेल कर एक सूची तैयार करने की भी सिफारिश की है।

परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधित संसद की स्थाई समिति ने संस्कृति मंत्रालय को 'रेल इंजन, जहाज और विमान जैसी विरासत संपत्तियों के संरक्षण के लिए रेलवे, शिपिंग, रक्षा और नागरिक उड्डयन मंत्रालयों के साथ समन्वय करने

परिवहन, पर्यटन और संस्कृति संबंधित संसद की स्थाई समिति ने संस्कृति मंत्रालय को 'रेल इंजन, जहाज और विमान जैसी विरासत संपत्तियों के संरक्षण के लिए रेलवे, शिपिंग, रक्षा और नागरिक उड्डयन मंत्रालयों के साथ समन्वय करने का सुझाव दिया।

का सुझाव दिया। संसद के दोनों सदनों में 25 मार्च को पेश समिति की ह्रासंस्कृति मंत्रालय की अनुदान मांगें (2026-27)' संबंधी रपट में कहा गया है कि एएसआइ 38 सर्किलों के माध्यम से 3,685 केंद्रीय संरक्षित स्मारकों का रखरखाव करता है। भारत में कई ऐतिहासिक संपत्तियां और स्थल हैं, जिनमें प्राचीन मंदिरों और अन्य स्मारकों से लेकर मध्ययुगीन संरचनाएं और औपनिवेशिक युग की इमारतें शामिल हैं।

इनमें ब्रिटिश शासन या डच युग के दौरान या फ्रांसीसी, डेनिश और पुर्तगाली औपनिवेशिक शासकों द्वारा निर्मित इमारतें भी शामिल हैं। एएसआइ-संरक्षित स्थलों में बड़े पैमाने पर प्राचीन युग या मध्ययुगीन काल के स्मारक और पुरातात्विक अवशेष शामिल हैं। विभिन्न राज्यों के पास अपने पुरातत्व विभाग भी हैं जो एएसआइ के तहत संरक्षित नहीं किए गए कई पुराने स्थलों की देखभाल करते हैं। बड़ी संख्या में औपनिवेशिक युग की इमारतें, जो मुख्य रूप से ब्रिटिश काल के दौरान निर्मित और प्रतिष्ठित वास्तुकला से संपन्न थीं, का उपयोग जिला कलेक्टरेट, जिला बोर्ड और नगरपालिका कार्यालयों जैसे सरकारी कार्यालयों के अलावा संग्रहालयों, पुस्तकालयों और रेलवे स्टेशनों तथा अन्य उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

इनमें से कई पुरानी इमारतें, अपने ऐतिहासिक मूल्य और स्थापत्य चरित्र के बावजूद, किसी भी प्राधिकरण के तहत संरक्षित नहीं हैं तथा विशेषज्ञ उनके क्षय या क्षतिग्रस्त होने की आशंका है। रपट में कहा गया है कि 'समिति ने संरक्षण की आवश्यकता वाले ब्रिटिश-युग के विरासत स्थलों का मुद्दा उठाया था।

समिति ने इसके लिए जो विशिष्ट उदाहरण दिए उनमें 74 जिला कलेक्ट्रेट भवनों को ध्वस्त किया जाना, दरभंगा में डीजी पोस्ट भवन (150 वर्ष पुराना) और पटना क्लाक टावर शामिल हैं। डच काल और ब्रिटिश काल की प्रतिष्ठित संरचनाओं की विशेषता वाले पटना कलेक्ट्रेट परिसर को अप्रैल 2022 में विभिन्न विरासत प्रेमियों के विरोध और विशेषज्ञों द्वारा असुरक्षित ऐतिहासिक स्थल को संरक्षित करने की अपील के बीच ढहा दिया गया था। पिछले कुछ दशकों में अन्य राज्यों में औपनिवेशिक काल की कई अन्य असुरक्षित इमारतों को भी ध्वस्त कर दिया गया है।

खबर कोना

मुंबई में शुक्रवार को रसोई गैस संकट के बीच खाली सिलेंडर पर बैठकर आराम कर रही एक महिला।

लोगों का जीवन बेहतर बनाना हो आर्थिक नीतियों का लक्ष्य : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि हर आंकड़े के पीछे एक मानवीय कहानी होती है और आर्थिक नीतियों की वास्तविक कसौटी केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उनके परिणाम होते हैं। राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय आर्थिक सेवा (आइईएस) के अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक सेवा में आर्थिक योजना एवं उसके क्रियान्वयन की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मुर्मू ने कहा कि आर्थिक नीतियों का लक्ष्य लोगों का जीवन बेहतर बनाना होना चाहिए।

साध्वी निरंजन ज्योति ने ग्रहण किया एनसीबीसी के अध्यक्ष का कार्यभार

नई दिल्ली,

साध्वी निरंजन ज्योति ने राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) के अध्यक्ष और किरण उमेश महाले ने आयोग के सदस्य का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। बीते दिनों इनके नामों की घोषणा हुई थी। साध्वी निरंजन ज्योति पूर्व सांसद हैं और वे ग्रामीण विकास तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालयों में केंद्रीय राज्य मंत्री सहित कई महत्वपूर्ण सार्वजनिक पदों पर रह चुकी हैं। वहीं किरण उमेश महल्ले अमरावती नगर निगम की महापौर रह चुकी हैं।

अदालत ने मुकेश अंबानी के खिलाफ सीबीआइ जांच की याचिका खारिज की

मुंबई,

बंबई हाई कोर्ट ने शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) जांच की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कंपनी ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ओएनजीसी के कृष्णा-गोदावरी बेसिन क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस को अवैध रूप से निकाला गया है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति सुमन श्याम की पीठ ने याचिकाकर्ता जितेंद्र मारू की याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता ने चोरी, बेईमानी, गबन और आपराधिक विश्वासघात जैसे अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। अदालत के आदेश की प्रति अभी उपलब्ध नहीं हुई है।

एक अप्रैल को श्रम सुधारों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे श्रमिक संगठन

नई दिल्ली,

केंद्रीय श्रमिक संगठनों के संयुक्त मंच ने सरकार की चार श्रम संहिताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को लेकर एक अप्रैल 2026 को 'काला दिवस' के रूप में मनाने का शुक्रवार को आह्वान किया। सरकार चार श्रम संहिताएं...वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियां संहिता 2020 को 21 नवंबर 2025 को लागू किया है। बयान के अनुसार, केंद्रीय श्रमिक संगठनों और स्वतंत्र क्षेत्रीय महासंघों एवं संगठनों के मंच ने श्रमिक संघों से एक अप्रैल को 'काला दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान किया है। इसी दिन केंद्र सरकार ने चारों श्रम संहिताओं के लागू करने को लेकर नियमों को अधिसूचित करने की घोषणा की है।

सीधी, सिंगरौली प्रभा

रविवार 29 मार्च 2026

बोलेरो की टक्कर से दो युवकों की मौत, वाहन जप्त चालक फरार

सीधी। जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चंद्रेह में हुए सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया जबकि दूसरे की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद बोलेरो को पुलिस ने जप्त कर लिया है जबकि चालक फिलहाल फरार है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम चंद्रेह निवासी हर्षित विश्वकर्मा और विपिन विश्वकर्मा घर के पास ही सड़क के किनारे बैठे हुए थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बोलेरो चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए दोनों को जोरदार टक्कर मार दी और घटनास्थल से फरार हो गया।

घटना के बाद गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां एक युवक को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया जबकि दूसरे युवक को गंभीर हालत में रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर किया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। घटना के बाद पुलिस ने जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज की मदद से बोलेरो की पहचान कर उसे जप्त कर लिया है जबकि चालक फिलहाल फरार है।

भंडारे के साथ हुआ श्रीमद् भागवत कथा का समापन

सीधी। जिले के चुरहट तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ममदर स्थित जलसेन धाम जूड़ा में आयोजित पावन यज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा का आज अत्यंत भव्य, श्रद्धामय एवं ऐतिहासिक समापन विशाल भंडारे के साथ हुआ। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण व्याप्त रहा, वहीं समापन दिवस पर श्रद्धालुओं की अभूतपूर्व भीड़ ने इस दिव्य आयोजन की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया।इस धार्मिक आयोजन की सफलता के पीछे चुरहट विधायक एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह का विशेष, सराहनीय एवं प्रेरणादायक योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन, संरक्षण एवं निरंतर सहयोग से ही यह आयोजन इतने विशाल, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित रूप में संपन्न हो सका। उन्होंने न केवल आयोजन की सशक्त रूपरेखा तैयार कराई, बल्कि समय-समय पर व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए हर आवश्यक सहयोग भी सुनिश्चित किया। अजय सिंह ने इस धार्मिक महोत्सव को जन-जन तक पहुँचाने, श्रद्धालुओं के लिए सुचारु व्यवस्थाएँ उपलब्ध कराने तथा आयोजन को एक आदर्श स्वरूप देने में विशेष रुचि दिखाई। उनके सतत प्रयासों के कारण यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम न रहकर एक भव्य आध्यात्मिक उत्सव के रूप में स्थापित हुआ, जिसकी सराहना पूरे क्षेत्र में की जा रही है। इस पावन आयोजन में नीलम मेडिकल स्टोर गानाजी का भी विशेष सहयोग रहा। इनके योगदान ने व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए समस्त आयोजन समिति हृदय से आभारी है। वहीं ममदर गाँव के समस्त ग्रामवासियों ने अद्भुत एकजुटता, समर्पण और सेवा भाव का परिचय देते हुए तन-मन-धन से योगदान दिया। समापन अवसर पर विधिवत हवन, पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आयोजकों ने अजय सिंह सहित नीलम मेडिकल स्टोर, गानाजी एवं सभी सहयोगकर्ताओं, दानदाताओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में धर्म, संस्कृति, सद्भाव और एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते हैं, तथा आने वाली पीढ़ियों को भी आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

टंसार में वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

सीधीम.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले के विकासखंड कुसमी अंतर्गत पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टंसार के प्रांगण में वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं विशेष रूप से आदिवासी समुदाय को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उन्हें न्याय प्रणाली से जोड़ना तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना रहा। शिविर में उपस्थित जनसमूह को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, पीड़ित प्रतिकर योजना सहित विभिन्न विधिक प्रावधानों की जानकारी दी गई। साथ ही संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु हितग्राहियों को मौके पर ही हितलाभ वितरित किए गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्रयाग लाल दिनकर ने शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर देते हुए कहा कि ध्रशिक्षा ही वह माध्यम है, जो व्यक्ति को उसके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाती है।ध्र उन्होंने मातृशक्ति से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें।

लंबित प्रकरणों का समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ निराकरण किए जाने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने की राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा

सरसों एवं मसूर के पंजीयन की पुनः किया जाए सत्यापन केंद्रों में किसी भी प्रकार की अवैध खरीदी ना हो दृ श्री बैनल

सिंगरौली कलेक्टर श्री गौरव बैनल की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में राजस्व अधिकारियों के राजस्व कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि नामांतरणए बंटवाराए और सीमांकन जैसे प्रकरणों का निराकरण तय समय सीमा के भीतर किया जाए। साथी इन प्रकरणों का निराकरण पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए।कलेक्टर ने विभिन्न तहसीलों में लंबित राजस्व मामलों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए ताकि आम जनता को बार.बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने निर्देश दिए कि इस संबंध में समस्त उपखंड अधिकारी अपने अधीनस्थ तहसील कोर्ट का नियमित रूप से निरीक्षण करें। स्वामित्व योजनाए फार्मर रजिस्ट्रीए पीएम किसान योजना अंतर्गत सत्यापन एवं ई केवाईसी किए जाने के संबंध में प्राप्त प्रकरणों के निराकरण में गति लाएं। साथ हीए राजस्व अर्जन के लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के लिए अधिकारियों को क? निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने किसान पंजीयन सत्यापन एवं गिरदावली की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए सभी उपखंड अधिकारी अपने क्षेत्र अंतर्गत सरसों और मसूर की फसलों के किए गए पंजीयन का पुनः सत्यापन करें। तथा जांच करें कि कोई भी चना एमसूर एवं सरसों की अवैध रूप से उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से बिक्री न कर पाए इस पर कड़ी निगरानी रखे। उन्होंने निर्देश दिए की उपार्जन केन्द्रों में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। केंद्र में आने वाले किसानों के लिए छाया पानी की उचित व्यवस्था रहे। सीमावर्ती प्रदेशों से उपार्जन केंद्रों में चान सरसो की बिक्री ना हो इसके लिए चेक पोस्ट बनाकर निगरानी रखें।उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि चनाए मसूर और सरसों की अवैध रूप से बिक्री न होए इसके लिए समिति प्रभारियों और ऑपरेटरों के साथ निरंतर समन्वय बनाया जाए। साथ यह सुनिश्चित करें

पैसों के विवाद में भाजपा मंडल अध्यक्ष के पति पर जानलेवा हमला

न्याय न मिलने पर पीड़ित ने आत्महत्या की चेतावनी

सीधी। जिले के बहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत जेठुला गांव में उधारी के पैसों के लेनदेन को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष के पति पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मामला दर्ज होने के बावजूद उन्हें लगातार सामाजिक और पारिवारिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है, जिसके चलते वे पिछले चार दिनों से घर में ही कैद रहने को मजबूर हैं। जानकारी के अनुसार मयापुर भाजपा मंडल अध्यक्ष सियाकुमारी के पति कमलेश पर गांव के ही योगेंद्र बहादुर सिंह द्वारा कथित रूप से हमला किया गया। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच पहले से उधारी पैसों को लेकर विवाद चल रहा था, जो बाद में हिंसक झगड़े में बदल गया, इस दौरान कमलेश को गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ित की शिकायत पर बहरी थाना पुलिस ने आरोपी योगेंद्र बहादुर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है,हालांकि पीड़ित परिवार का कहना है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिल रहा है और आरोपी पक्ष द्वारा समझौते के लिए दबाव बनाया जा रहा है।

सोशल मीडिया में वायरल हुआ वीडियो

घटना से आहत पीड़ित कमलेश ने एक वीडियो जारी कर अपनी पीड़ा व्यक्त की है।वीडियो में उन्होंने आरोप लगाया है कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें जल्द न्याय नहीं मिला तो वे बहरी थाने में ही फांसी लगाकर आत्महत्या करने को मजबूर हो जाएंगे। इस बयान के बाद प्रशासनिक अमले में भी हलचल मच गई है। वहीं इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने यह भी आश्वासन दिया है कि पीड़ित परिवार की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। फिलहाल इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है और लोग पुलिस की आगामी कार्रवाई पर नजर बनाए हुए हैं। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग की है ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने तहसील न्यायालय कुसमी का किया निरीक्षण, राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

सीधी कलेक्टर श्री विकास मिश्रा ने तहसील न्यायालय कुसमी का निरीक्षण कर न्यायालयीन एवं राजस्व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण तथा कार्यों में गति लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विशेष रूप से नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन जैसे महत्वपूर्ण राजस्व प्रकरणों को समय-सीमा में प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन से जुड़े इन प्रकरणों के लंबित रहने से अनावश्यक विवाद उत्पन्न होते हैं, इसलिए इनका त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने न्यायालयों में नियमित सुनवाई सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि न्यायालयीन कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों में समयबद्ध कार्रवाई करते हुए आमजन को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराया जाए।

उन्होंने राहत से संबंधित प्रकरणों के निराकरण में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को बिना विलंब राहत प्रदान की जाए। इसके साथ ही कलेक्टर ने राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए 31 मार्च से पूर्व निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने तहसील परिसर का अवलोकन कर साफ-सफाई बनाए रखने तथा कार्यालयीन रिकॉर्डों के व्यवस्थित संधारण के निर्देश भी दिए।

चुरहट में निकली भगवान श्री राम की भव्य शोभा यात्रा

आकर्षक का केन्द्र बने रहे झांकी के बाल कलाकार

सीधी। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ चुरहट में मनाया गया। नगर के युवाओं द्वारा प्रभु श्री राम एवं माता जानकी के साथ भगवान लक्ष्मण की भव्य झांकी के साथ शोभा यात्रा निकाली गई, रथ में वीर हनुमान जी भी सवार थे। शोभा यात्रा नगर का भ्रमण होते हुए चुरहट की प्रसिद्ध बूढ़ी माता के मंदिर में शोभा यात्रा का समापन हुआ उसके साथ-साथ बूढ़ी माता मंदिर के प्रांगण में देवी जागरण का कार्यक्रम हुआ जो की देर रात तक चला। रामनवमी के उपलक्ष्य में नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान राम भक्तों के जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इससे पूर्व मंदिर में प्रभु श्रीराम व भक्त हनुमान का आकर्षक श्रृंगार कर विधिवत आरती की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। पुष्पों से सुसज्जित वाहन को रथ का स्वरूप देकर उस पर प्रभु श्रीराम की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। डीजे पर बज रहे राम भजनों पर श्रद्धालु झूमते-गाते चल रहे थे। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनेद्र मिश्र राजन युवा नेता, डॉ वरुण सिंह सुखनंदन सोनी भैय्या नगर कांग्रेस अध्यक्ष, विजय सोनी भूपेश गुप्ता, अजय सोनी, राजकरन नामदेव, छोटे गुप्ता,श्रीजल गुप्ता, अजय रजक,सुमित गुप्ता,अजीत गुप्ता, सत्यम गुप्ता, रवि पाण्डेय सहित नगर के युवा, महिला पुरुष गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। उक्त कार्यक्रम के कलाकारों में दीपक नामदेव, सूरज नामदेव, सत्यम सोनी, अमृत लाल पटेल, आस्था सिंह सहित कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

झपटमारी कर लूट को अंजाम देने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

सीधी। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कमर्जी उप निरीक्षक इंद्राज सिंह के नेतृत्व में थाना कमर्जी पुलिस ने झपटमारी की एक गंभीर वारदात का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मऊगंज जिले के एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर जेल भेजने में सफलता प्राप्त की है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 16 जून 2025 को फरियादी विपिन कुमार विश्वकर्मा अपनी भाभी रंजना विश्वकर्मा के साथ मोटरसाइकिल से प्रतापगंज हनुमना से घर लौट रहे थे। दोपहर करीब 1:30 बजे तुर्रा घाटी जोगिनी माता मंदिर के आगे के पास एक सफेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने चलती गाड़ी से महिला के गले से मंगलसूत्र एवं मनचली झपट ली और रफूचक्कर हो गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कमर्जी में अपराध क्रमांक 209/2025, धारा 304 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया था।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना कमर्जी पुलिस द्वारा लगातार संदिग्धों पर नजर रखी जा रही थी। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदेही प्रकाश कोल उर्फ बेटू 20 वर्ष निवासी पथरिया थाना मऊगंज को अभिरक्षा में लेकर सघन पूछताछ की गई। आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर लूट की उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूट के हिस्से में आए 1500 रुपये नगद विधिवत जब्त किए हैं। आरोपी प्रकाश कोल का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड भी पाया गया है, जिसके विरुद्ध विभिन्न थानों में मामले दर्ज हैं। आरोपी को न्यायालय चुरहट में पेश किया गया, जहां से उसे जिला जेल सीधी भेज दिया गया है। गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही है।

कमिश्नर रीवा संभाग ने सहायक आयुक्त को जारी किया नोटिस

स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति में जनजातीय कार्य विभाग फिसड्डी

समीक्षा बैठक में विभाग की सामने आई लापरवाही

सीधी स्वरोजगार योजनाओं के प्रगति के मामले में जनजातीय कार्य विभाग सीधी की प्रगति काफी न्यून है। संभागीय समीक्षा बैठक में यह लापरवाही सामने आने पर कमिश्नर रीवा संभाग ने सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सीधी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 7 दिवस के अंदर जवाब तलब किया। दरअसल समीक्षा बैठक के दौरान यह सामने आया कि प्रबंध संचालक मप्र आदिवासी वित्त एवं विकास निगम भोपाल के पत्र क्रमांक 1533, दिनांक 6 मई 2025 द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप न तो प्रकरण बैंक को प्रेषित किए गए हैं एवं जो प्रकरण प्रेषित किए गए है उनमें स्वीकृति हेतु प्रभावी अनुश्रवण एवं समन्वय सुनिश्चित नहीं किया गया। लिहाजा बैंकों द्वारा भी अधिकांश प्रकरणों को स्वीकृति प्रदान नहीं की गई। उपरोक्त प्रगति से स्पष्ट है कि वित्तीय वर्ष समाप्ति समीप होने के बावजूद प्रकरणों के समयबद्ध संकलन, परीक्षण, बैंक में प्रेषण, लंबित प्रकरणों का सतत अनुश्रवण एवं बैंक स्तर पर समन्वय स्थापित करने हेतु आवश्यक प्रशासनिक सक्रियता प्रदर्शित नहीं की गई। यह स्थिति शासन की मंशा के प्रतिकूल होने के साथ-साथ हितग्राहियों को लाभ से वंचित रखने वाली है। नोटिस में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त दिनांक 11 फरवरी 2026 को शिक्षा विभाग, जनजातीय कार्य विभाग एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं विभागीय गतिविधियों की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक के संबंध में कार्यालयीन पत्र क्रमांक 800431, दिनांक 9 फरवरी 2026 में निर्देश जारी किए गए थे। उक्त निर्देशों के तारतम्य में संभागीय उपायुक्त कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास रीवा की बैठक में पूर्व सूचना के सहायक आयुक्त सीधी अनुपस्थित रहे। ऐसे में यह कृत्य मप्र सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 के विपरीत होकर दंडनीय है। पत्र पाने के 7 दिवस के अंदर स्थिति स्पष्ट करने के लिए जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। हैरत की बात तो यह है कि कमिश्नर के उक्त नोटिस का जवाब तो दिया गया लेकिन प्रगति को प्रदर्शित करने के लिए अब भी लापरवाही बनी हुई है। उधर विभागीय जानकारों का कहना है कि जनजातीय कार्य विभाग में सहायक आयुक्त स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति को लेकर आरंभ से पूरी तरह से निष्क्रिय रहे हैं। इस वजह से जो आवेदन हुए उनको बैंक में भी भेजने में लापरवाही बरती गई।

जवाब देकर ठंडे बस्ते में डाल दिया आदेश

जनजातीय कार्य विभाग सीधी के सहायक आयुक्त जोधा सिंह को कमिश्नर ने नोटिस भेज कर सात दिवस के अंदर उक्त संबंध में जवाब मांगा था, जिसका जवाब तो दे दिया गया है लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि सीधी जिले में यह योजना अभी भी नगण्य है। सरकार भले ही आदिवासी परिवार के लोगों को आर्थिक मदद के साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए तरह तरह की कार्य योजना बना रही है लेकिन सीधी जिले में सरकार की यह योजनाएं सिर्फ कागजों में ही दौड़ रही है। सहायक आयुक्त जोधा सिंह की कार्यप्रणाली समझ से परे बताई जा रही है।

स्वरोजगार योजनाओं के प्रगति की स्थिति

योजना का नाम / प्रकरण	लक्ष्य / स्वीकृत प्रकरण	बैंक को प्रेषित
टंट्या मामा आर्थिक	103	68
	01	
कल्याण योजना		
भीमराव अंबेडकर	57	36
	01	
आर्थिक कल्याण योजना		
संत रविदास स्वरोजगार	23	83
06		
योजना		
भगवान बिरसा मुंडा	20	111
	01	
स्वरोजगार योजना योग		203

जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।
- स्वामी विवेकानंद

ट्रंप के पागलपन पर भड़के रिपब्लिकन सांसद

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब अलग-थलग पड़ते चले जा रहे हैं। उन्होंने बिना संसद की अनुमति लिए ईरान के ऊपर हमला कर दिया। अभी तक वह इस हमले का कोई कारण अमेरिका की संसद को नहीं बता पा रहे हैं। इस युद्ध में अमेरिका को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध के खर्चे के लिए अतिरिक्त राशि की मांग की है। इतनी बड़ी राशि उन्हें क्यों चाहिए है, वह संसद को नहीं बता पा रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों को ब्रीफिंग के लिए बुलाया था। उसमें वह अपने ही सांसदों की बातों का जवाब नहीं दे पाए। जिसके कारण सांसदों ने बैठक के दौरान ही अपनी नाराजी जाहिर की। कुछ सांसद गुस्से में बैठक से बाहर निकल आए, उन्होंने ट्रंप के प्रति अपनी नाराजी सार्वजनिक रूप से जिस तरह जाहिर की है, उससे ऐसा लगता है, डोनाल्ड ट्रंप का विरोध रिपब्लिकन पार्टी में भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। उन्हीं की पार्टी के सांसदों ने उन्हें पागल बताते हुए उनके बयानों की बड़ी आलोचना की। जिस तरह के मनमाने वह निर्णय ले रहे हैं, उसका अब रिपब्लिकन सांसद भी विरोध कर रहे हैं। सांसदों का कहना था, कि डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध नहीं लड़ने की घोषणा के साथ राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा था। शांति स्थापित करना चाहते थे। अब खुद ही युद्ध में अमेरिका को झोंक दिया है। अमेरिका में महंगाई बढ़ रही है। निम्न एवं मध्यम वर्ग में ट्रंप को लेकर नाराजी स्पष्ट रूप से देखने को मिल रही है। बढ़ते खर्च के कारण अमेरिका की जनता को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिका के ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। अमेरिका का राजस्व पूर्व के वर्षों की तुलना में कम हो रहा है। युद्ध में लगातार जिस तरह से खर्च हो रहा है, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नई-नई मांग कर रहे हैं। इसको लेकर रिपब्लिकन सांसद भी नाराज हैं।

टैरिफ को लेकर भी उन्होंने नाटो और अमेरिका के मित्र देशों के साथ-साथ सारी दुनिया के बड़े-बड़े देशों को नाराज कर अमेरिका के खिलाफ एकजुट कर दिया है। ईरान से युद्ध लड़ने के लिए उन्होंने नाटो और मित्र देशों को धमकाया है। उसके कारण अमेरिका बिल्कुल अलग-थलग पड गया है। इजराइल के साथ मिलकर ईरान से जो युद्ध शुरू किया है वह अमेरिका के लिए भारी साबित हो रहा है। खाड़ी के जिन देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने ड्रोन और मिसाइल के जरिए उन अड्डों और वहां के सैन्य संसाधनों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। अमेरिका के जंगी जहाज और सबसे ताकतवर विमानो को ईरान ने भारी नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका के सैन्य हथियारों को इसके पहले कभी इस तरह की चुनौती नहीं मिली थी, जो अब मिल रही है। ऐसी तबाही इसके पहले अमेरिका की कभी नहीं हुई ,जो पिछले एक माह में देखने को मिली है। इसके कारण अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ नाराजी बढ़ती चली जा रही है। आम जनता और डेमोक्रेटिक पहले से ही ट्रंप से नाराज हैं। अब रिपब्लिकन पार्टी के सांसद भी ट्रंप से नाराज हो गए हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता मात्र 36 फीसदी रह गई है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए लग रहा है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान से लड़ते-लड़ते अन्य कई देशों के निशाने पर भी आ गए हैं। उन्हें अपनी कुर्सी बचाने के लिए अमेरिका में अपनों के साथ संघर्ष करना पड़ रहा है। ट्रंप जिस तरह से बयान दे रहे हैं, उन बयानों को देखते हुए अब सारी दुनिया उन्हें साइको अथवा पागल की तरह देख रही है। अमेरिका का सर्वोच्च कमांडर युद्ध के दौरान इस तरह की हरकत करेगा, यह किसी ने सोचा नहीं था। ट्रंप के पागलपन और अहंकार का खामियाजा पूरे अमेरिका को भुगतना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप के फैसलों से सारी दुनियां के देशों में आर्थिक संकट के साथ ही गैस और तेल का संकट उठ खड़ा हुआ है। सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं, जिससे अधिकांश देशों के लोग परेशान है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह कहा जाने लगा है जो हालात सोवियत रूस के विघटन के समय थी वही स्थिति आज अमेरिका में देखने को मिल रही है। अब देखना यह है कि अमेरिका की संसद कैसे डोनाल्ड ट्रंप को नियंत्रित करती है। डोनाल्ड ट्रंप के रहते क्या एक नया इतिहास अमेरिका लिखने जा रहा है। इसकी चर्चा सारी दुनिया में हो रही है।

क्या एपस्टीन फाइल दबाने ट्रंप ने युद्ध का दांव खेला

अमेरिका की राजनीति में षड्यंत्र, आरोप और रणनीतिक शोर कोई नई बात नहीं है। हाल के समय में यह सवाल बार-बार उठाया जा रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप ने कथित एपस्टीन फाइल के दबाव से ध्यान हटाने के लिए युद्ध या युद्ध जैसे माहौल का सहारा लिया? यह सवाल जितना सनसनीखेज है, उतना ही जटिल भी। सोचने वाली बात यह है कि डोनालड ट्रंप व्यवसयी भी है और अब दुसरी बार के अमेरिकी राष्टपति जो कि बहुत बड़ी बात है। टंप अब मजे हुए खिलाड़ी है। उन्हें मालूम है कि विरोधी के सुर कैसे बंद करने हैं। ऐसे में जब ईरान कुछ कह रहा है और अमेरिका के राष्ट्रपति कुछ और आज की मामला ले ले कि ट्रंप ने 10 दिन का युद्ध विराम कर क्या साबित करना चाहते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति बार -बार मीडिया के सामने आकर बयान पर बयान दिये जा रहे हैं कि अब ईरान से बात हो रही है जबकि पत्रकार के पूछने पर कि ईरान के किस व्यक्ति से बात हो रही है तो ट्रंप सवाल पर टालते हुए आगे दूसरी बात करते हैं। इससे साफ जाहिर होता है डोनाल्ड ट्रंप इस जंग में फंस चुके हैं। उन्हें अब इससे बाहर निकलने का रास्ता नहीं दिख रहा । इसलिए वह बार-बार युद्ध विराम का सहारा ले रहे हैं। जबकि इससे पुरा विश्व त्रस्त हो चुका है। कई देश तो अमरजेंसी हालात बन चुके हैं।

सबसे पहले समझना होगा कि एपस्टीन फाइल से आशय उन दस्तावेजों और संपर्कों से है जो जैफरी क्या एपस्टीन से जुड़े थे—एक ऐसा नाम जो वैश्विक प्रभावशाली लोगों के नेटवर्क और गंभीर अपराधों के आरोपों के कारण चर्चा में रहा। इन फाइलों को लेकर समय-समय पर कई दावे और अटकलें सामने आती रही हैं, लेकिन ठोस और सार्वजनिक रूप से प्रमाणित तथ्य सीमित ही हैं।यह धारणा कि किसी नेता ने घरेलू विवादों से ध्यान हटाने के लिए बाहरी संघर्ष को हवा दी, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पहले भी चर्चा का विषय रही है। इसे डायवर्जनरी वॉर थ्योरी कहा जाता है। लेकिन इस सिद्धांत को हर घटना पर लागू करना उचित नहीं होता। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के संदर्भ में भी, उनके कार्यकाल और उसके बाद की राजनीति में कई बार आक्रामक बयानबाजी और सैन्य तनाव देखने को मिला। मगर यह कहना कि किसी विशेष फाइल को दबाने के लिए जानबूझकर युद्ध का दांव खेला गया—इसका कोई ठोस, प्रमाणित साक्ष्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

आज के दौर में सोशल मीडिया और वैचारिक ध्रुवीकरण के कारण अधूरी जानकारी तेजी से सत्य का रूप ले लेती है। एपस्टीन फाइल जैसे संवेदनशील विषय पर कई तरह के दावे राजनीतिक एजेंडा के तहत भी फैलाए जाते हैं।यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि किसी भी बड़े सैन्य या कूटनीतिक निर्णय के पीछे अनेक कारक होते हैं—रणनीतिक हित, सहयोगी देशों का दबाव, सुरक्षा चिंताएं, और वैश्विक शक्ति संतुलन। इन्हें केवल एक व्यक्तिगत या कानूनी विवाद से जोड़ देना अक्सर सरलीकरण होता है।एपस्टीन फाइल एक गंभीर और जांच का विषय है। लेकिन इसे किसी संभावित युद्ध रणनीति से सीधे जोडने के लिए पर्याप्त प्रमाण नहीं हैं। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है, परंतु निष्कर्ष तथ्यों के आधार पर ही निकलने चाहिए, न कि अटकलों पर। जनता और मीडिया दोनों की जिम्मेदारी है कि वे सनसनी से ऊपर उठकर सत्य की खोज करें—क्योंकि लोकतंत्र में शोर नहीं, बल्कि प्रमाण ही सबसे बड़ा आधार होता है।

बार बार युद्द विराम से अच्छा है कि युद्द ही विराम हो जाये

बार-बार युद्धविराम से बेहतर है कि युद्ध ही विराम हो जाए। आज की वैश्विक राजनीति एक अजीब विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर युद्ध छिड़ते हैं, निर्दोष लोग मारे जाते हैं, शहर खंडहर बनते हैं; दूसरी ओर, कुछ दिनों या हफ्तों के युद्धविराम का दिखावटी मरहम लगाया जाता है। यह प्रश्न अब गंभीरता से उठने लगा है—क्या बार-बार के अस्थायी युद्धविराम वास्तव में समाधान हैं, या वे सिर्फ युद्ध को लंबा खींचने का साधन बन चुके हैं?युद्धविराम का मूल उद्देश्य होता है हिंसा को रोककर शांति की दिशा में ठोस पहल करना। लेकिन जब यह केवल रणनीतिक विराम बनकर रह जाए—जहां पक्ष अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने, पुनर्गठन करने और अगली आक्रामक कार्रवाई की तैयारी करते हैं—तो यह शांति नहीं, बल्कि एक छलावा बन जाता है। ऐसे युद्धविराम न तो स्थायी समाधान देते हैं और न ही मानवीय संकट को समाप्त करते हैं।इतिहास गवाह है कि कई संघर्षों में बार-बार हुए युद्धविराम ने समस्या को सुलझाने के बजाय और जटिल बना दिया। हर बार उम्मीद बंधती है कि शायद अब स्थायी शांति का रास्ता निकलेगा, लेकिन कुछ ही समय बाद गोलियां फिर चलने लगती हैं। इससे न केवल विश्वास का संकट गहराता है, बल्कि आम नागरिकों के मन में भी निराशा घर कर जाती है।यह कहना कठोर लग सकता है, लेकिन कभी-कभी अधूरी शांति से बेहतर निर्णायक समाधान होता है। युद्ध ही विराम हो जाए का आशय यह नहीं कि युद्ध को बढ़ावा दिया जाए, बल्कि यह कि संघर्ष का ऐसा अंतिम और ठोस समाधान निकले, जिसके बाद बार-बार की हिंसा और अस्थिरता का दौर खत्म हो सके। आधे-अधूरे समझौते और अस्थायी विराम केवल घाव को ढकते हैं, भरते नहीं।आज जरूरत है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संबंधित देश ईमानदारी से स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाएं। कूटनीति केवल बयानबाजी तक सीमित न रहे, बल्कि वास्तविक राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़े। युद्धविराम तभी सार्थक होगा जब वह स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करे, न कि अगले संघर्ष की प्रस्तावना बने।

मानवता का हित इसी में है कि युद्ध समाप्त हो—सिर्फ कुछ दिनों के लिए नहीं, बल्कि हमेशा के लिए। क्योंकि हर अस्थायी विराम के पीछे छिपी होती है एक नई त्रासदी की आहट।

अमेरिका और इजरायल को मिलकर सोचना होगा कि जिसके लिए युद्द किया गया वह बात कहीं भी दिखाई नहीं दे रही। वहीं इससे पूरे विश्व को नुकसान ही हुआ है। कथित एपस्टीन फाइल का जो सच जनता के सामने आना था वो आ चुका है। ऐसे में युद्द विराम ही सबसे उत्तम उपाय है।

मध्य पूर्व तनाव का असर, लेकिन भारत तैयार-
संसाधनों का संयमित उपयोग अनिवार्य

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण विश्व के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे ऊर्जा संकट की स्थिति बनती दिखाई दे रही है। ऐसे समय में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि प्राकृतिक संसाधन सीमित हैं, असीमित नहीं। इसलिए उनका उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें अनावश्यक रूप से बर्बाद करने का अधिकार किसी को नहीं है।

इसी संदर्भ में भारत सरकार ने 26 मार्च 2026 (गुरुवार) को यह स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सरकार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक और दुष्प्रचारपूर्ण खबरों पर ध्यान न दें, क्योंकि इनका उद्देश्य केवल भय और घबराहट पैदा करना है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, भारत के पास कुल 74 दिनों की भंडारण क्षमता है, जिसमें वर्तमान में लगभग 60 दिनों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस भंडार में कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा भूमिगत रणनीतिक भंडारण शामिल हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि मध्य-पूर्व संकट के 27वें दिन तक देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। सरकार के अनुसार, हर नागरिक के लिए लगभग दो महीने तक निरंतर ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित है, चाहे वैश्विक परिस्थितियां कैसी भी हों। इसके अतिरिक्त, सरकार ने अगले दो महीनों के लिए कच्चे तेल की खरीद पहले से ही सुनिश्चित कर ली है। इतना ही नहीं, मीडिया के हवाले से यह भी खबरें आई हैं कि सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पेट्रोल-डीजल पर ?10 की कटौती की गई है, इससे फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। यह अच्छी बात है कि केंद्र सरकार ने तेल कंपनियों और आम जनता को राहत देते हुए पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपए कर दिया गया है तथा डीजल पर यह ड्यूटी पूरी तरह खत्म यानी जीरो कर दी गई है। बहरहाल, जहां कुछ देशों में ईंधन की कीमतों में वृद्धि, राशनिंग और पेट्रोल पंपों के बंद होने जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, वहीं भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है और किसी आपातकालीन कदम की आवश्यकता भी नहीं पड़ी है।बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि संकट की इस घड़ी में समाज की वास्तविक परीक्षा एकजुटता और जिम्मेदारी में निहित होती है। इतिहास गवाह है कि जब भी कोई बड़ा संकट आता है-चाहे वह महामारी हो, प्राकृतिक आपदा या आर्थिक मंदी-तब केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि प्रशासन और व्यापारिक वर्ग की जिम्मेदारी भी कई गुना बढ़ जाती है।

दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में कालाबाजारी और मुनाफाखोरी जैसी प्रवृत्तियां भी उभरती हैं, जो कृत्रिम कमी पैदा कर आम लोगों की कठिनाइयों को और बढ़ा देती हैं।

दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेन्द्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात् वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत है फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

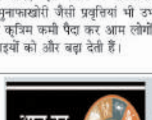

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, एकादशी, रविवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, धृत योगे, विव करणे, व्रज योगे, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी?

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता, अधिवक्ता, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, राजनेता, विधायक, मंत्री होगा तथा उद्योगपति प्रशासनिक अधिकारी होगा।

मेष राशि :- किसी आरोप से बचिये, मान प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि में आंच आ सकती है।
वृष राशि :- कुछ बाधाएं कष्टप्रद हो, स्त्री शरीर कष्ट, कारोबार में बाधा हो।
मिथुन राशि :- स्त्रीवर्ग से कष्ट, चिंता, व्यावसायिक कार्यों में आरोप से अवश्य बचे।
कर्क राशि :- दैनिक व्यवसाय, गति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा।
सिंह राशि :- व्यर्थ धन का व्यय, दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से हानि होगी।
कन्या राशि :- विशेष कार्य, स्थिगित रखे फिर भी सब कार्य सफलता पूर्वक चले।
तुला राशि :- आशानुकूल सफलता से हर्ष, दैनिक व्यवसाय गति उत्तम बनी, रहेगी।
वृश्चिक राशि :- अधिकारियों का मेल मिलाप, फलप्रद कार्ययोजना की चिंता बनी रहेगी।
धनु राशि :- विशेष कार्य स्थिगित रखे, परिश्रम में सफलता, कार्य व्यवसाय उत्तम।
मकर राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक हो, कार्य गति में सुधार योजना अवश्य बने।
कुंभ राशि :- कार्य क्षमता में बाधा, अचानक असमर्थता वातावरण, बना ही रहेगा।
मीन राशि :- अर्थ व्यवस्था में संतोष, सुखधन समृद्धि के साधन अवश्य जुटाये।

वैश्विक ऊर्जा संकट बनाम लॉकडाउन की आशंका?

- क्या दुनियाँ फिर कोविड-19 जैसे दौर की ओर बढ़ रही है या यह केवल भय और अफवाहों का जाल है?

क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है?- अफवाह बनाम ज़मीनी हकीक- भय,भ्रम और बदलती वैश्विक वास्तविकता

पीएम की लगातार बैठकें,देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति लगातार सुनिश्चित करना - अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी को ध्यान में रखना जरूरी

वैश्विक स्तरपर कोविड -19 महामारी ने दुनियाँ को जिस तरह से झकझोर कर रख दिया था,उसकी स्मृतियाँ आज भी लोगों के मन में ताज़ा हैं। 2020-21 के दौरान लगाए गए लॉकडाउन,आर्थिक गतिविधियों का ठप होना,सड़कों पर सन्नाटा और अनिश्चित भविष्य ये सब अनुभव आज भी समाज की सामूहिक चेतना में गहराई से बसे हुए हैं।ऐसे में जब 2026 में ऊर्जा संकट, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और सरकारों की लगातार बैठकों की खबरें सामने आती हैं,तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में यह सवाल उठता है,क्या दुनियाँ एक बार फिर लॉकडाउन की ओर बढ़ रही है? क्या यह एक नए प्रकार का ऊर्जा लॉकडाउन होगा? या यह केवल अफवाहों औरसोशल मीडिया की उपज है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहता हूं कि इस बार संकट का कारण कोई वायरस नहीं,बल्कि ऊर्जा आपूर्ति से जुड़ी अनिश्चितताएँ हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका ने कई देशों को सतर्क कर दिया है। कुछ देशों में बिजली की खपत कम करने के लिए स्कूल-कॉलेजों को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है,सरकारी दफ्तरों में सप्ताह में केवल चार दिन काम का मॉडल अपनाया जा रहा है, और वर्क फ्रॉम होम को फिर से प्रोत्साहित किया जा रहा है।यह स्थिति भले ही कोविड जैसी स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, लेकिन इसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव उतने ही गहरे हो सकते हैं।श्रीलंका जैसे देशों में पहले से ही ऊर्जा संकट के कारण सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि ऊर्जा संकट केवल आर्थिक समस्या नहीं है,बल्कि यह सामाजिक स्थिरता और नागरिक जीवन को भी सीधे प्रभावित करता है।भारत की स्थिति की व्याख्या हम,सतर्कता लेकिन घबराहट नहीं के रूप में कर सकते हैं,भारत भी इस वैश्विक संकट को लेकर सरकार पूरी तरह सतर्क है। पीएम ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ 26 मार्च 2026 को शाम साढ़े छह बजे बैठक कर स्थिति की समीक्षा की है।इन बैठकों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में तेल,गैस और अन्य आवश्यक संसाधनों की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत के पास लगभग 60 दिनों का ईंधन भंडार उपलब्ध है, जो तत्काल किसी बड़े संकट की संभावना को कम करता है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि देश में किसी प्रकार का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।वित्त मंत्री संसदीय कार्य मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री ने संयुक्त रूप से बयान देकर इन अफवाहों को खारिज किया है। भारत में लॉकडाउन के संदेह का जन्म संसद में पीएम के बयान की गलत व्याख्या,अफवाहों के कारण कुछ जगहों पर पैनिक बाइंग की स्थिति उत्पन्न हुई, इंडियन ऑइल कारपोरेशन और भारत पेट्रोलियम ने सफाई दी हैसरकार का स्पष्ट संदेश है कि देश में पर्याप्त फ्यूल स्टॉक मौजूद है। लॉकडाउन और फ्यूल क्राइसिस की खबरें पूरी तरह भ्रामक है सोशल मीडिया पर फैल रही गलत जानकारी से सतर्क रहने की अपील की गई है। 27 मार्च 2026 को भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन की कोई योजना नहीं है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीयमंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह गलत और हानिकारक बताया है। लोग घबराएं नहीं और न ही अफवाहों पर ध्यान दें, क्योंकि ईंधन और जरूरी वस्तुओं का पर्याप्त भंडार है।

साथियों बात अगर हम सोशल मीडिया और अफवाहों का तंत्र- डर का नया स्रोत इसको समझने की करें तो आज के डिजिटल युग में सूचना जितनी तेजी से फैलती है,उतनी ही तेजी से भ्रम और अफवाहें भी फैलती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ऊर्जा लॉकडाउन और

देशव्यापी बंदी जैसे शब्द ट्रेंड करने लगे,जिससे आम लोगों में डर का माहौल बन गया।पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगने लगीं,गैस सिलेंडर और आवश्यक वस्तुओं की खरीद अचानक बढ़ गई।यह स्थिति बताती है कि संकट केवल वास्तविक नहीं होता, बल्कि उसकी धारणा भी उतनी ही प्रभावशाली होती है। जब लोग यह मान लेते हैं कि कोई बड़ा संकट आने वाला है,तो उनका व्यवहार भी उसी अनुसार बदल जाता है,चाहे वास्तविक स्थिति उतनी गंभीर न हो।

साथियों बात अगर हम भारत की रणनीति- संतुलन और स्थिरता को समझने की करें तो भारत ने पिछले कुछवर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर और पवन ऊर्जा पर बढ़ता जोर रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विविधीकरण ये सभी कदम भारत को इस प्रकार के संकटों से निपटने में सक्षम बनाते हैं।सरकार का वर्तमान फोकस स्पष्ट है-आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखना,कीमतों को नियंत्रित रखना,जनता में घबराहट को रोकना,जनता की भूमिका-संयम और जागरूकता- किसी भी संकट के दौरान सरकार की नीतियों के साथ-साथ जनता का व्यवहार भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि लोग अफवाहों पर विश्वास करके अनावश्यक खरीददारी करते हैं, तो इससे कृत्रिम संकट उत्पन्न हो सकता है।इसलिए यह आवश्यक है कि लोग केवल आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें।

साथियों बात अगर हम राजनीतिक बयानबाज़ी और उसके प्रभाव को समझने की करें तो,इस पूरे घटनाक्रम में राजनीतिक बयानबाज़ी ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बार फिर लॉकडाउन लगा सकती है और लोगों को घरों में कैद कर सकती है।उन्होंने 2021 के लॉकडाउन और चुनावों का उदाहरण देते हुए अपनी बात रखी।

फिल्म वर्ग पहेली- 7156

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मामसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गाना वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गाना वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर साहू की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गाना वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूंगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१३. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१४. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखो ही तुझे मैंने जाने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7155

इजराइल की ईरान पर 50 फाइटर जेट से एयरस्ट्राइक...

एटमी ठिकानों को निशाना बनाया... ईरान ने सऊदी पर 6 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, ईरान जंग में हूती विद्रोही भी शामिल, इजराइल पर 2000 किमी से बैलिस्टिक मिसाइल दागी, हूती-हिज्बुल्लाह की एंट्री से गहराया संकट

मिडिल ईस्ट जंग अब परमाणु युद्ध की ओर!

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध एक महीने में और भीषण हो गया है। न्यूक्लियर साइट्स पर हमलों और ईरान के जवाबी हमलों से हालात खतरनाक हैं। हूती और हिजबुल्लाह की एंट्री ने तनाव बढ़ा दिया है। अमेरिका ईरान की घेराबंदी में जुटा है, जबकि ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं। परमाणु हथियार को लेकर बहस तेज है। लगातार हमलों के बीच आशंका है कि यह संघर्ष और बड़ा रूप ले सकता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खुलवाने को लेकर अमेरिका की कोई रणनीति काम नहीं आ रही है। इस बीच ईरान के न्यूक्लियर साइट्स पर इजरायली हमलों ने इस जंग को और खतरनाक मोड़ पर ला दिया है। जंग इसलिए और भीषण रुख लेती जा रही है क्योंकि अब इसमें हूती विद्रोहियों की भी एंट्री हो गई है। लेबनान में हिजबुल्लाह पहले ही युद्ध में पीछे ना हटने का दावा कर रहा है। इस बीच हूती विद्रोहियों के हमलों से मध्य-पूर्व में जारी युद्ध और विध्वंसक रूप लेता जा रहा है।

ईरान-इजराइल जंग में अब हूती विद्रोही भी इसमें शामिल हो गए हैं। इजराइल ने ईरान के अंदर 50 फाइटर जेट्स से हमला किया। इजराइली सेना के मुताबिक शुक्रवार रात ईरान के तीन इलाकों में हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों और परमाणु कार्यक्रम से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया गया। सेना ने बताया कि ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए और कई घंटों तक चले। हमलों में अराक और यज्द जैसे अहम इलाके शामिल थे। जिन ठिकानों को निशाना बनाया गया, उनमें हथियार बनाने वाली सैन्य इंडस्ट्री और बैलिस्टिक के साथ एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल के पुर्जे बनाने वाली फैक्ट्री शामिल थी।

इसके अलावा इराक में मौजूद हेवी वॉटर प्लांट पर भी हमला किया गया, जिसे इजराइल ने परमाणु हथियारों के लिए प्लूटोनियम तैयार करने में अहम बताया है। वहीं यज्द में उस प्लांट को भी निशाना बनाया गया, जहां यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) के लिए जरूरी विस्फोटक सामग्री तैयार की जाती है। वहीं, ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर शुक्रवार रात को 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागीं। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ईरान ने 5 देशों पर हमले किए

मिडिल ईस्ट में जारी जंग को एक महीना हो चुका है, लेकिन खाड़ी देशों में हमले अब भी जारी हैं। शनिवार सुबह तक अलग-अलग देशों से हमलों और इंटरसेप्शन की खबरें सामने आई हैं। यूएई में अबू धाबी और दुबई के बीच स्थित खलीफा इकोनॉमिक जोन के पास इंटरसेप्ट की गई बैलिस्टिक मिसाइल का मलबा गिरने से तीन जगह आग लग गई। इस घटना में 6 लोग घायल हुए हैं। ओमान में सलालाह पोर्ट को ड्रोन से निशाना बनाया गया। इस हमले में एक विदेशी कर्मचारी घायल हुआ और एक क्रेन को नुकसान पहुंचा। सऊदी अरब में रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, राजधानी रियाद की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। बहरीन में ईरान की ओर से निशाना बनाए गए एक ठिकाने पर लगी आग को सिविल डिफेंस ने बुझा दिया। कुवैत में कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर ड्रोन हमले में रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचा। साथ ही, पिछले 24 घंटों में नेशनल गार्ड ने 6 ड्रोन मार गिराए।

ईरान के हमले में एक सप्ताह में 29 अमेरिकी सैनिक घायल

ईरान के हमलों में पिछले एक हफ्ते के दौरान 29 अमेरिकी सैनिक घायल हुए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। ईरान ने सऊदी अरब के प्रिंस सुल्तान एयरबेस पर शुक्रवार रात को 6 बैलिस्टिक मिसाइलें और 29 ड्रोन दागीं। इस हमले में कम से कम 15 सैनिक घायल हुए, जिनमें 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि शुरुआत में अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि करीब 10 सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें 2 गंभीर थे। इस हफ्ते की शुरुआत में भी इस एयरबेस पर दो बार हमले हुए थे। इनमें से एक हमले में 14 अमेरिकी सैनिक घायल हुए थे। प्रिंस सुल्तान एयरबेस सऊदी अरब की राजधानी रियाद से करीब 96 किलोमीटर दूर स्थित है। यह बेस सऊदी वायुसेना के नियंत्रण में है, लेकिन इसका इस्तेमाल अमेरिकी सेना भी करती है।

लेबनान में एंबुलेंस पर इजराइली हमला, पैरामेडिक की मौत

दक्षिणी लेबनान में सिविल डिफेंस एंबुलेंस पर इजराइली हमले में एक पैरामेडिक की मौत हो गई है। पैरामेडिक घायल व्यक्ति को प्राथमिक इलाज देता है।

दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना के 9 सैनिक घायल इजराइली सेना ने बताया है कि दक्षिणी लेबनान में दो अलग-अलग हमलों में उसके 9 सैनिक घायल हुए हैं। शुक्रवार को एक एंटी-टैंक मिसाइल हमले में सैनिक घायल हुए। वहीं शनिवार सुबह हुए एक और रॉकेट हमले में 7 सैनिक घायल हो गए हैं। इसमें से एक की हालत गंभीर है।

अमेरिका में टॉमहॉक मिसाइल का स्टॉक खत्म होने की आशंका

ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका ने बड़े पैमाने पर टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इसे अमेरिकी हथियारों के जखीरे का अहम हथियार माना जाता है। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक चार हफ्तों में 850 से ज्यादा मिसाइलें दागी गईं। अनुमान है कि अमेरिकी नौसेना के पास लगभग 4,000 टॉमहॉक मिसाइलें थीं। अगर यह सही है तो टॉमहॉक मिसाइलों का करीब एक चौथाई हिस्सा खत्म हो चुका है। रक्षा मंत्रालय के भीतर इसको लेकर चिंता बढ़ गई है। एक टॉमहॉक बनाने में करीब 2 साल लग सकते हैं।

इजरायल और खाड़ी देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के हमले जारी हैं। ईरान की ओर से हिज्बुल्ला मोर्चे पर डटा है। अब हूती विद्रोहियों की एंट्री से युद्ध और खतरनाक हो गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि अमेरिका जल्द ईरान के खिलाफ बड़ा सैन्य अभियान चलाने की तैयारी में है। कई मोर्चों पर ईरान की घेराबंदी और लगातार परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया जाना , इसी रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

क्या है अमेरिका की तैयारी?

अमेरिका ईरान को घुटनों पर लाने की कोशिश में लगा है, लेकिन ईरान किसी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं। तो क्या ईरान के जवाबी हमलों के बीच अब अमेरिका ने फाइनल प्रहार की तैयारी कर ली है। क्या ये जंग परमाणु युद्ध की ओर बढ़ती दिख रही है। दरअसल, मिडिल ईस्ट में जारी लड़ाई अब एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है, जहां सबसे खतरनाक सवाल खुलकर सामने आ गया है, क्या ईरान अब परमाणु बम बनाएगा?

ईरान में परमाणु हथियार बनाने की मांग

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान में धार्मिक नेताओं का गुट अब खुले तौर पर परमाणु हथियार बनाने की मांग कर रहा है। ईरान पहले ही यूरेनियम को हथियार स्तर के करीब तक समृद्ध कर चुका है, इजरायल लंबे समय से दावा करता रहा है कि तेहरान कुछ महीनों में बम बना सकता है। माना जा रहा है कि यही वजह है कि अब अमेरिका और इजरायल लगातार ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। बीते कुछ दिनों से ईरान के परमाणु साइट्स टारगेट पर हैं। लगातार हमले हो रहे हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भी दावा कर रहे हैं की मध्य-पूर्व में परमाणु धमकियों को खत्म करने के लिए अमेरिका पूरी तरह से तैयार रहा।

क्या बोले डोनाल्ड ट्रंप?

इस बीच ट्रंप ने कहा, हम मध्य-पूर्व में परमाणु धमकियों को खत्म कर रहे हैं। मेरे नेतृत्व में अमेरिका इस कट्टरपंथी शासन से पैदा खतरे को खत्म कर रहा है और ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के जरिए ईरान की ताकत को तबाह कर रहा है। हमारे पास दुनिया दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है। मैंने इसे अपने पहले कार्यकाल में बनाया। हमारे पास ऐसे हथियार हैं जिन्हें किसी ने नहीं देखा, और कुछ के बारे में तो कोई जानता भी नहीं है, सिवाय कुछ लोगों के। 47 साल तक ईरान को मिडिल ईस्ट का धौंस जमाने वाला देश माना जाता था, लेकिन अब वह भाग रहा है।

यूरेनियम प्रोसेसिंग प्लांट पर हमला

इजरायल ने शुक्रवार को ईरान के यज्द में यूरेनियम प्रोसेसिंग प्लांट को निशाना बनाया। इजराइली सेना के मुताबिक, हमले में उस फैसिलिटी को टारगेट किया गया जहां यूरेनियम समृद्ध करने के लिए जरूरी प्रोसेसिंग होती है। न्यूक्लियर ठिकानों पर अमेरिका-इजरायल के हमलों ने ईरान का गुस्सा भडका दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी है कि इन हमलों के लिए इजराइल को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

अरुंधति राय और हान कांग 'क्रिटिक्स सर्कल' पुरस्कार से सम्मानित

वाशिंगटन,

नोबेल पुरस्कार विजेता हान कांग के एक उपन्यास, कृत्रिम मेधा (एआइ) एवं ओपनएआइ पर करेन हाओ के शोध और लेखिका अरुंधति राय के एक संस्मरण को अमेरिका के 'नेशनल बुक क्रिटिक्स सर्किल' पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। हान का उपन्यास 'वी डू नाट पार्ट' कोरियाई मुख्यभूमि के दक्षिण में स्थित जेजू द्वीप में 1948-1949 के विद्रोह की कहानी है, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। इस उपन्यास का अनुवाद ई येवोन और पेज अनियाह मारिस ने किया है। पुरस्कारों की कथा समिति की अध्यक्ष हीथर स्काट ने कहा कि कहानी 'एक असरदार और थाम लेने वाले सपने की तरह मन में बस जाती है।' लाइफटाइम अचीवमेंट श्रेणी का पुरस्कार लेखिका फ्रांसेस फिट्जगेराल्ड को दिया गया, जिनकी वियतनाम युद्ध पर आधारित 1972 की पुस्तक 'फायर इन द लेक' काफी चर्चित है। नेशनल पब्लिक रेडियो और पब्लिक ब्राडकास्टिंग सर्विस को उन संस्थानों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कृत किया गया जिन्होंने पुस्तक संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अरुंधति को उनकी कृति 'मदर मैरी कम्स टू मी' को आत्मकथा श्रेणी में पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा हाओ की 'एम्पायर आफ एआइ : ड्रीम्स एंड नाइटमेयर्स इन सैम आल्टमैन्स ओपनएआइ' ने गैर-काल्पनिक श्रेणी में पुरस्कार जीता। एलेक्स की 'ए परफेक्ट टर्माइल : वाल्टर ई फर्नाल्ड एंड द स्ट्रगल टू केयर फार अमेरिकाज डिसेबल्ड को जीवनी श्रेणी में पुरस्कृत किया गया।

स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल ने कहा
ईरान में बदलाव के पक्षधर, बाहरी हस्तक्षेप उचित नहीं

नई दिल्ली,

पुजोल ने कहा कि भारत को सुरक्षा परिषद में एक ऐसे देश के रूप में प्रवेश करना चाहिए, जो दुनिया में शांति व सद्भाव का ध्वजवाहक बने।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत में स्पेन के राजदूत जुआन एंटोनियो मार्च पुजोल ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश ईरान में आंतरिक स्तर पर 'सकारात्मक बदलाव' के पक्ष में है, लेकिन 'बाहरी हस्तक्षेप' के जरिए सत्ता परिवर्तन उचित तरीका नहीं है।

यहां आयोजित एक कार्यक्रम में पुजोल ने बिना किसी देश का नाम लिए कहा कि 'हथियार और टकराव मानवता के लिए कोई समाधान नहीं हैं।' एक समारोह में अपने संबोधन में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि दुनिया में किसी भी युद्ध की स्थिति से निपटने में संयुक्त राष्ट्र को नेतृत्व करना चाहिए। उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद स्थापित इस संस्था की विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि 'संयुक्त राष्ट्र के साथ हम बेहतर स्थिति में हैं, हालांकि इसे समय के साथ विकसित होना भी जरूरी है।' उनकी ये टिप्पणियां दुनिया में जारी कई संघर्षों के संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र को कुछ वर्गों से मिल रही आलोचनाओं की पृष्ठभूमि में आई हैं।

पुजोल ने कहा कि स्पेन हमेशा भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल करने के पक्ष में रहा है। उन्होंने कहा, 'हालांकि, मैं व्यक्तिगत तौर पर एक बात कहना चाहूंगा। अगर भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अन्य पांच देशों से अलग तरीके से शामिल हो, तो मुझे बहुत खुशी होगी। ये पांचों (स्थायी सदस्य) देश कुछ हद तक अपने राष्ट्रीय हितों से जुड़े हुए हैं।' स्पेन के राजदूत ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारत को सुरक्षा परिषद में एक ऐसे देश के रूप में प्रवेश करना चाहिए, जो दुनिया में समावेशिता का प्रतीक हो और शांति व सद्भाव का ध्वजवाहक बने तथा यह बेहद महत्त्वपूर्ण होगा।'

तमिलनाडु के मंदिर से चोरी की तीन मूर्तियां भारत को लौटाएगा अमेरिका

नई दिल्ली,

अमेरिका स्थित द्यास्मथसानयस नशनल म्युजियम आफ एशियन आर्टह्न तमिलनाडु के मंदिरों से चोरी की गई तीन प्राचीन मूर्तियां भारत को लौटाएगा। इन मूर्तियों को भारत के मंदिरों से चुराए जाने की बात शोध से स्थापित हो जाने के बाद यह फैसला किया गया।

अमेरिका में भारतीय दूतावास की उप प्रमुख नामग्या खम्पा ने नौवीं सदी की शिव नटराज कांस्य मूर्ति, 12वीं सदी की शिव एवं उमा की मूर्ति तथा 16वीं सदी की संत सुंदरार के साथ परवी की मूर्ति की वापसी के लिए यहां द्यनेशनल म्युजियम आफ एशियन आर्टह्न (एनएमएए) के निदेशक चेस राबिन्सन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'स्मिथसोनियंस नेशनल म्यूजियम आफ एशियन आर्ट से तीन अमूल्य प्राचीन वस्तुएं भारत वापस भेजी जा रही हैं: नौवीं सदी की शिव नटराज कांस्य मूर्ति, 12वीं सदी की शिव एवं उमा की मुर्ति तथा 16वीं सदी में संत सुंदरार के साथ परवी का चित्रण।' उसने बताया कि इन प्राचीन वस्तुओं की उत्पत्ति से जुड़े शोध के बाद संग्रहालय ने पाया कि इन्हें भारत से अवैध रूप से हटाया गया था।

'शिव और उमा' की मूर्ति, जिसे 'सोमस्कंद' भी कहा जाता है और 'परवी के साथ संत सुंदरार' की मूर्ति 1987 में आर्थर एम सैकलर द्वारा संग्रहालय को दान किए गए संग्रह का हिस्सा थीं।

कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से जयशंकर ने की बात

नई दिल्ली, 27 मार्च (ब्यूरो)।

जी7 से इतर पश्चिम एशिया संकट पर की चर्चा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने फ्रांस में जी7 बैठक के इतर मुलाकात कर पश्चिम एशिया संकट और उसके परिणामों पर प्रमुखता से चर्चा की। जयशंकर जी7 के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने गुरुवार को यहां पहुंचे।

कनाडा की विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने एवं जयशंकर ने जी7 बैठक से इतर मुलाकात की तथा दोनों नेताओं ने इस साल की शुरुआत में हमारी भारत यात्रा के दौरान हमारे प्रधानमंत्रियों द्वारा आगे बढ़ाई गई साझेदारी पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने व्यापार, पश्चिम एशिया में स्थिति और महत्त्वपूर्ण खनिज, कृषि एवं शिक्षा सहित उन प्रमुख क्षेत्रों पर भी चर्चा की जिनमें सहयोग को और गहरा किया जा सकता है।

जयशंकर दो दिवसीय जी7 बैठक में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा करेंगे जिसमें यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा कि होर्मुज जलमार्ग अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए खुला रहे। ईरान द्वारा होर्मुज जलमार्ग को लगभग अवरुद्ध कर दिए जाने के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की कीमतों में उछाल आया है।

बर्बादी

तेहरान में शुक्रवार को अमेरिका-इजराइल हमले की चपेट में आई एक आवासीय इमारत का निरीक्षण करते हुए बचावकर्मी।

मेक्सिको की खाड़ी में तेल रिसाव फैला, जलीय जीवों के लिए खतरा

मेक्सिको सिटी,

मेक्सिको की खाड़ी में मार्च की शुरुआत में हुआ तेल रिसाव 600 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में फैल गया, जिसमें सात प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र भी शामिल हैं। मेक्सिको के अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव एक अज्ञात जहाज और दो प्राकृतिक रिसाव स्रोतों से हुआ है। हालांकि, अधिकारियों ने हुए रिसाव से गंभीर पर्यावरणीय क्षति की आशंका से इनकार किया है। नौसेना सचिव एडमिरल रेयमंडो मोरालेस ने बताया कि उपग्रह चित्रों और क्षेत्र का निरीक्षण करने के बाद तेल रिसाव के तीन मुख्य कारणों का पता चला है। वहीं पर्यावरण सचिव एलीसिया बार्सेना ने कहा कि रिसाव से वेराक्रूज और ताबास्को के सात प्राकृतिक संरक्षित क्षेत्र प्रभावित हुए हैं लेकिन हमने कोई गंभीर पर्यावरणीय क्षति नहीं पाई है।

अमेरिकी अदालत का ऐतिहासिक फैसला | आदेश | याचिकाकर्ता केजीएम को साढ़े 56 करोड़ रुपए का हर्जाना मिलेगा

सोशल मीडिया की लत से जुड़े मुकदमे में मेटा-गूगल पर भारी जुर्माना

सिडनी,

अमेरिका में एक जूरी ने फैसला दिया है कि इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म के डिजाइन में ऐसी खामियां हैं, जिसकी वजह से इनकी लत लग जाती है। लास एंजिलिस की जूरी ने इस बड़े मामले में लगभग नौ दिन में फैसला सुनाया।

यह मुकदमा केजीएम नामक एक युवती ने सोशल मीडिया कंपनियों के खिलाफ दायर किया था। जूरी के मुताबिक इससे केजीएम नाम की 20 साल की महिला के मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा। केजीएम को हर्जाने के तौर पर 60 लाख अमेरिकी डालर यानी करीब साढ़े 56 करोड़ रुपए चुकाने का फैसला भी सुनाया गया है। जूरी ने कहा कि केली को 30 लाख डालर हर्जाने और 30 लाख डालर इन कंपनियों से दंड के तौर पर मिलना चाहिए। जूरी ने 30 लाख डालर का हर्जाना देने का आदेश दिया, जिसमें मेटा (इंस्टाग्राम की मालिक) को 70 फीसद और गूगल (यूट्यूब की मालिक) को 30 फीसद हिस्सा देना होगा। बाद में 30 लाख डालर का दंडात्मक जुर्माना भी लगाया गया। टिकटाक और स्नैप ने मुकदमा शुरू होने से पहले ही गुप्त समझौता कर लिया था। यह इस हफ्ते अमेरिकी अदालत में मेटा की दूसरी बड़ी हार है।

24 मार्च को न्यू मेक्सिको की जूरी ने भी कंपनी को बच्चों के यौन शोषण के खतरे और उनके मानसिक स्वास्थ्य पर होने वाले असर की जानकारी छिपाने का दोषी पाया था। केजीएम का यह पहला ऐसा मामला है, लेकिन आखिरी नहीं। ऐसे 20 से ज्यादा मामले जल्द अदालत में पेश किए जाने हैं, जिनसे आगे के मामलों का रास्ता तय होगा। इस फैसले के दूरगामी असर हो सकते हैं। बड़ी टेक कंपनियों के लिए यह फैसला वैसा ही साबित हो सकता है, जैसा कभी तंबाकू कंपनियों के लिए हुआ था। इसी तरह के हजारों मामले कतार में हैं।

केजीएम (अब 20 वर्षीय) ने कहा कि उसने छह साल की उम्र में यूट्यूब और नौ साल की उम्र में इंस्टाग्राम का इस्तेमाल शुरू किया था। धीरे-धीरे उसे इनकी आदत लग गई और वह एक दिन में 16 घंटे तक इंस्टाग्राम इस्तेमाल करने लगी। इन प्लेटफार्म के फीचर उसे बार-बार इस्तेमाल करने के लिए मजबूर करते थे। इससे उसे तनाव, अवसाद, और आत्महत्या जैसे विचार आने लगे।

केजीएम ने कहा कि मेटा और यूट्यूब ने जानबूझकर ऐसे डिजाइन बनाए ताकि बच्चे ज्यादा समय तक इनका इस्तेमाल करें और कंपनी को ज्यादा मुनाफा हो। आरोप है कि कंपनियों ने जुआ और सिगरेट उद्योग की तकनीकों का इस्तेमाल किया, ताकि लोग ज्यादा जुड़े रहें और विज्ञापन से ज्यादा पैसा कमाया जा सके। केजीएम के वकील मार्क लेनियर ने जूरी से कहा कि इन कंपनियों ने ऐसी मशीनें बनाईं, ताकि बच्चों के दिमाग को इनका आदी बनाया जा सके और उन्होंने ऐसा जानबूझकर किया।

कंपनियों का जवाब

मेटा ने कहा कि केजीएम को सोशल मीडिया इस्तेमाल करने से पहले ही कई दिक्कतें थीं, इसलिए उसकी सारी परेशानी के लिए सिर्फ सोशल मीडिया को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के वकील ने कहा कि केजीएम के मेडिकल रिकार्ड में यूट्यूब की लत का कोई जिक्र नहीं है। कंपनियों ने अपने बचाव का एक बड़ा हिस्सा धारा 230 के तहत संरक्षण पर केंद्रित किया।

आगे क्या होगा

यह दुनिया का पहला बड़ा मामला है, जिसमें सोशल मीडिया की लत को नुकसान का कारण माना गया है। जूरी ने पाया कि मेटा ने गलत जानकारी दी और बच्चों की कमजोरी का फायदा उठाया। मेटा और गूगल ने कहा है कि वे इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे।

रंगसंसार

राम्या सिंह ने धुरंधर 2 को बताया घटिया

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म च्धुरंधर 2ज् बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म रिलीज के बाद दर्शकों की प्रतिक्रियाएं सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, और अधिकांश फैंस इसे पसंद कर रहे हैं। लेकिन इसी बीच, पूर्व लोकसभा सांसद और एक्ट्रेस राम्या सिंह ने फिल्म की आलोचना की और इसे घटिया बताया। राम्या सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि फिल्म के कुछ हिस्से उम्मीद के मुताबिक नहीं हैं। उनका मानना है कि कहानी और किरदारों का सही इस्तेमाल नहीं हुआ है। उन्होंने फैंस से अपील की कि वे थिएटर में जाकर फिल्म देखने का समय और पैसा व्यर्थ न करें। राम्या की यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। कई लोग उनके बयान से सहमत हैं, जबकि कुछ इसे नकारात्मक मानकर फैंस को खुद निर्णय लेने की सलाह दे रहे हैं। फिल्म च्धुरंधर 2ज्, निर्देशक आदित्य धर की बड़ी परियोजना है। इसमें रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और सारा अली खान प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। राम्या के बयान के बाद फिल्म के प्रशंसकों और आलोचकों के बीच बहस छिड़ गई है। अब देखना होगा कि फिल्म के प्रति दर्शकों का रुझान इस आलोचना के बाद कैसे बदलता है।

धुरंधर 2 के आलोचकों को अनुपम खेर का जवाब

अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म च्धुरंधर 2ज् बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म ने रिलीज़ के महज तीन दिनों में ही 300 करोड़ क्लब में जगह बना ली है और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। हालांकि, कुछ लोग इसे प्रोपेगेंडा फिल्म करार दे रहे हैं और आलोचना कर रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड के वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर ने इस तरह की आलोचनाओं पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि फिल्म की पूरी कहानी और प्रयास को देखे बिना इसे प्रोपेगेंडा कहना अनुचित है। उनका मानना है कि च्धुरंधर 2ज् केवल एक मनोरंजन फिल्म है, जिसमें थ्रिल, मसाला और कहानी का पूरा पैकेज मौजूद है। अनुपम खेर ने रणवीर सिंह और फिल्म की पूरी टीम की जमकर तारीफ की और कहा कि आलोचना के कारण किसी बेहतरीन प्रोडक्शन को छोटा आंकना गलत है। अनुपम खेर ने यह भी जोड़ा कि फिल्म का उद्देश्य किसी विशेष समुदाय या विचारधारा को आहत करना नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बिना पूरी फिल्म देखे किसी नकारात्मक राय न बनाएं। च्धुरंधर 2ज्, आदित्य धर के निर्देशन में बनी है और रणवीर सिंह के अलावा अर्जुन रामपाल, आर माधवन और सारा अली खान मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सितारे जमीन परओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होगी उपलब्ध

संघर्ष से स्टारडम तक- अर्चना पूरन सिंह की सफलता की प्रेरक कहानी

मुंबई (ईएमएस)। अर्चना पूरन सिंह आज भले ही टीवी और मनोरंजन जगत की एक जानी-मानी हस्ती हैं, लेकिन यहां तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। च्कुछ-कुछ होता हैज् में मिसेज ब्रिगेंजा के किरदार से लेकर द कपिल शर्मा शो में जज के रूप में उनकी हंसी ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई है। देहरादून में जन्मीं अर्चना ने कम उम्र में ही अपने करियर की शुरुआत कर दी थी, लेकिन शुरुआती दौर में उन्हें कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अर्चना ने अपने करियर की शुरुआत छोटे पर्दे से की थी। फिल्मों में आने से पहले वह कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी थीं। करमचंद जैसे लोकप्रिय शो में उन्होंने डबल रोल निभाकर अपनी अभिनय क्षमता का परिचय दिया। उस समय छोटे पर्दे पर डबल रोल करना एक बड़ी चुनौती माना जाता था, लेकिन अर्चना ने इसे बेहद सहजता से निभाया। हालांकि, यह शो ज्यादा समय तक नहीं चला, लेकिन इससे उन्हें पहचान जरूर मिली।

फिल्मी दुनिया में कदम रखना उनके लिए और भी चुनौतीपूर्ण रहा। साल 1987 में उन्हें पहली फिल्म जलवा का ऑफर मिला, लेकिन इसके लिए उन्हें कई अन्य मॉडल्स के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी। स्क्रीन टेस्ट के लिए बुलाए जाने पर वह घर से दूर थीं और उस समय उन्होंने 100 रुपये खर्च कर टैक्सी से स्टूडियो पहुंचने का फैसला किया। उस दौर में यह रकम काफी बड़ी मानी जाती थी। उन्होंने स्क्रीन टेस्ट दिया और आखिरकार उनका चयन हो गया, जो उनके लिए बड़ी उपलब्धि थी।

फिल्म की शूटिंग के दौरान भी उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एक सीन में उनके सह-कलाकार साइरस ब्रोचा उन्हें गले लगाने में झिझक रहे थे, क्योंकि वे उस समय काफी शर्मीले थे। यह सीन फिल्म के लिए बेहद जरूरी था। ऐसे में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें समझाया कि अभिनय में झिझक की कोई जगह नहीं होती। उनके समझाने के बाद ही यह सीन पूरा किया जा सका। अर्चना पूरन सिंह का करियर इस बात का उदाहरण है कि सफलता पाने के लिए धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास कितना जरूरी होता है। टीवी से लेकर फिल्मों और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म तक उन्होंने हर माध्यम में अपनी अलग पहचान बनाई है। आज वह न सिर्फ अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं, बल्कि अपनी सकारात्मक ऊर्जा और बेबाक अंदाज के लिए भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

नोरा फतेही ने मार्से पेड्रोजो को याद कर जताया दुख

मशहूर सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट मार्से पेड्रोजो के निधन ने बॉलीवुड और डांस इंडस्ट्री को हिला कर रख दिया। उनके अचानक चले जाने से कई सेलेब्रिटीज़ और उनके करीबी बहुत आहत हैं। इनमें से एक हैं एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही, जिनके लिए मार्से केवल एक हेयर स्टाइलिस्ट नहीं, बल्कि उनके जीवन का एक अहम हिस्सा थे। मार्से के निधन के बाद नोरा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपनी भावनाओं का इज़हार किया था। उन्होंने बताया कि मार्से की उपस्थिति और उनका मार्गदर्शन उनके लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहा। हाल ही में नोरा ने एक बार फिर मार्से को याद किया और बताया कि उनकी जिंदगी में मार्से की अहमियत कितनी थी। उन्होंने कहा कि मार्से ने सिर्फ उनके लुक को संवारने का काम नहीं किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास और पेशेवर सोच को भी गहरा असर दिया। नोरा ने अपने पोस्ट में मार्से के व्यक्तित्व की भी तारीफ की और कहा कि उनका होना हमेशा एक उजाला और प्रेरणा की तरह था। मार्से पेड्रोजो ने नोरा के साथ काम करते हुए उन्हें हमेशा प्रोत्साहित किया और उनके करियर में महत्वपूर्ण योगदान दिया। नोरा का यह भावुक पोस्ट दर्शाता है कि केवल पेशेवर रिश्ते ही नहीं, बल्कि दिल से जुड़े रिश्ते भी समय के साथ और मजबूत बन जाते हैं।

स्टाइलिश अंदाज में बेला हदीद

हॉलीवुड की फेमस मॉडल और एक्ट्रेस बेला हदीद अपनी स्टाइल और फैशन सेंस के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्हें वेस्ट हॉलीवुड में अपने करीबी दोस्तों के साथ डिनर करते हुए स्पॉट किया गया, जहां उनका लुक सभी का ध्यान खींच रहा था। सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों ने तेजी से वायरल होना शुरू कर दिया है। इस दौरान बेला ने ऑरेंज कलर का फ्रंट-ज़िप डिटेल वाला टॉप पहना था, जो उनके लुक को मॉडर्न और ट्रेंडी बना रहा था। इसे उन्होंने ब्लू डेनिम जींस के साथ पेयर किया, जो कैजुअल और स्टाइलिश वाइब दे रहा था। उनके आउटफिट को डार्क ब्राउन क्लोज़-टो हील्स और गोल्डन एक्सेसरीज जैसे इयररिंग्स, ब्रेसलेट और स्टेटमेंट रिंग्स ने और भी एलिगेंट बना दिया। बेला इस डिनर के लिए एक प्राइवेट मेंबर्स-ओनली क्लब में पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताया। उनके इस कैजुअल लेकिन हाई-फैशन लुक को देखकर फैंस ने सोशल मीडिया पर जमकर तारीफ की। खास बात यह रही कि बेला का यह लुक सिंपल लेकिन बेहद आकर्षक और फैशनेबल था। फैंस के अलावा फैशन ब्लॉग्स ने भी उनके इस आउटफिट को ट्रेंडिंग बताया और सोशल मीडिया पर उनके लुक की तस्वीरें शेयर कर स्टाइल टिप्स दिए।

दैनिक पंचांग

29 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

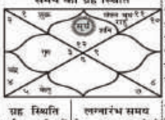

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.48 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	08.28 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.26 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.39 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.55 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.07 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.18 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.33 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.49 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	01.54 बजे से
		कुंभ	03.40 बजे से
		मीन	05.13 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 88 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु वसंत।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास चैत्र पक्ष शुक्ल
तिथि एकादशी 07.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 14.38 बजे को समाप्त।
योग धृति 18.20 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 07.47 बजे तदनन्तर बव 19.26 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 9.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 03° 18'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872663
जूलियन दिन 2461128.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 09
विशेष कामदा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	चर	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	रोग	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	काल	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidour.com, Bangalore

तमिलनाडु में एनडीए गठबंधन में सीटों का बंटवारा

तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी 27 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। तमिलनाडु में अन्ना डीएमके के साथ एनडीए गठबंधन तैयार हो गया है। 178 सीटों पर अन्ना डीएमके लड़ेगी। अंबुमणि रामदास की पार्टी को 18 सीटें मिली है। शशि कला के भतीजे को 11 सीट तथा जीके वासन की पार्टी को चार सीट देकर एनडीएनए गठबंधन में सीटों का बंटवारा हो गया है इंडिया गठबंधन में अभी बातचीत चल रही है।

ट्रंप के कंट्रोल में है मोदी जी?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों मोदी जी के पीछे हाथ धोकर पड़े हैं। हाल ही में उन्होंने कहा, डोनाल्ड ट्रंप के कंट्रोल में मोदी जी हैं। मोदी जी बिना ट्रंप से पूछे कोई निर्णय नहीं लेते हैं।

उन्होंने गौतम अडानी का नाम लेते हुए कहा, ट्रंप ,अडानी के नाम पर मोदी जी को धमकाते हैं। मोदी जी ट्रंप की धमकी में आ जाते हैं। जिसके कारण भारत को बहुत नुकसान हो रहा है। भारत के निर्णय अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम कटघरे में

जजों ने जिस तरीके से सरकार के सामने सरेंडर कर दिया है। उसके बाद से सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम भी कटघरे में खड़ा हो गया है। जितनी आलोचना सुप्रीम कोर्ट के जजों और उनके फैसलों की हो रही है। इसके पहले न्यायपालिका की कभी ऐसी आलोचना नहीं हुई। जिस तरह से न्यायपालिका को कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। कॉलेजियम को लेकर तरह-तरह की बातें हो रही हैं। सोशल मीडिया में न्याय पालिका को लेकर लगातार तरह-तरह की कमेंट देखने को मिल रहे हैं।

2026 में वामिका गब्बी का धमाका, सात फिल्मों से करेंगी दर्शकों का मनोरंजन

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ फिल्म च्भूत-बंगलाज् से बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं वामिका गब्बी के लिए साल 2026 बेहद खास साबित होने जा रहा है। अभिनेत्री इस साल एक-दो नहीं, बल्कि कुल सात फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि उनकी ये फिल्में अलग-अलग भाषाओं और जॉनर में होंगी, जिससे उनका बहुआयामी अभिनय दर्शकों को देखने को मिलेगा। वामिका गब्बी 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली फिल्म च्भूत-बंगलाज् से साल की शुरुआत करेंगी। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं और यह हॉरर-कॉमेडी जॉनर में बनी है। फिल्म में डर और हंसी का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिलेगा, जिससे दर्शकों को एक अलग अनुभव मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा वामिका करीब चार साल बाद मलयालम सिनेमा में भी वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्म च्टिकी टाकाज् में आसिफ अली के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म पहले 2025 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसके मई 2026 में रिलीज होने की संभावना है। फिल्म का निर्देशन रोहित वीएस कर रहे हैं, जो एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। तमिल सिनेमा में भी वामिका अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। वह फैंटेसी फिल्म च्जिनीज् में जयम रवि और कल्याणी प्रियदर्शन के साथ नजर आएंगी। फिल्म में उनका किरदार काफी अलग और दिलचस्प बताया जा रहा है, जो दर्शकों को आकर्षित करेगा।हिंदी सिनेमा में भी वामिका की कई फिल्में लाइनअप में हैं। च्दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंगज् एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जबकि च्पति पत्नी और वो दोज् में रिश्तों की नोक-झोंक और हास्य का तड़का देखने को मिलेगा। इन दोनों फिल्मों की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है और ये जल्द ही रिलीज के लिए तैयार हैं। पंजाबी सिनेमा में भी वामिका च्चिककलीज् के जरिए एक्शन अवतार में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ मंदी तखर और जोबनप्रीत मुख्य भूमिकाओं में होंगी। इसके अलावा वह एक्शन-थ्रिलर फिल्म च्जी-2ज् में भी नजर आएंगी, जो साल के मध्य तक रिलीज हो सकती है। कुल मिलाकर, 2026 वामिका गब्बी के करियर के लिए एक बड़ा मोड़ साबित हो सकता है,

मुंबई मे एक कार्यक्रम के दौरान मशहूर अभिनेत्री शबाना आजमी।

धुरंधर में 'बड़े साहब' कौन, मुझे भी नहीं पता था

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' देखने के बाद से ही दर्शकों के मन में यह रहस्य बना हुआ था कि 'बड़े साहब' कौन है और इस किरदार को कौन निभा रहा है। इसकी अगली कड़ी धुरंधरः द रिवेंज ने इसका जवाब दे दिया है -यह व्यक्ति कोई और नहीं बल्कि अंडरवर्ल्ड डान दाऊद इब्राहिम है, जिसका किरदार अभिनेता दानिश इकबाल ने निभाया है। यह खुलासा खुद अभिनेता के लिए भी आश्चर्यजनक था, जिन्होंने कहा कि उन्हें इब्राहिम की अपनी भूमिका के बारे में पता था लेकिन उन्हें कभी नहीं बताया गया था कि यही किरदार वास्तव में 'बड़े साहब' है।

इब्राहिम को 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों और भारत में कई अन्य आतंकी घटनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था। इकबाल ने कहा, मुझे मेरी ईदी थोड़ी जल्दी मिल गई...मुझे पता था कि मैं इस फिल्म में दाऊद इब्राहिम का किरदार निभा रहा हूं, लेकिन सच कहूं तो मुझे यह नहीं पता था कि दाऊद इब्राहिम ही बड़े साहब है। इसलिए मैं सोचता रहा कि बड़े साहब कौन हो सकता है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, लेकिन जब फिल्म के प्रदर्शित होने में कुछ ही हफ्ते बचे थे, तो मुझे कहीं न कहीं यह महसूस होने लगा कि शायद दाऊद इब्राहिम का किरदार ही बड़े साहब हो सकता है। 'धुरंधर' में 'बड़े साहब' एक अदृश्य लेकिन सर्वव्यापी ताकत था। जो अपराध सरगनाओं, आइएसआइ हैंडलर, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और नेता को नियंत्रित करता था, जबकि खुद पूरी तरह पर्दे के पीछे रहता था। बड़े साहब कौन था, इस बारे में सलमान खान और इमरान हाशमी जैसे नामों को लेकर भी अटकलें लगाई जाती थीं। इकबाल ने कहा, लोग इस बात में दिलचस्पी रखते थे कि फिल्म में बड़े साहब क्या करेगा, बजाय इसके कि उसका किरदार कौन निभाएगा। कभी एक अभिनेता का नाम सामने आता, कभी दूसरे का। कई बार मुझे भी हैरानी होती थी कि आखिर इस किरदार को कौन निभा रहा है। उन्होंने कहा कि किरदार के खुलासे के बाद, दर्शकों की जिज्ञासा डान के व्यक्तित्व के बजाय इब्राहिम के दिखने और बोलने के तरीके की ओर स्थानांतरित हो गई। इकबाल ने कहा, जिस तरह से सबकुछ बनाया गया, उस किरदार की दुनिया को देखकर लोग यह भूल गए कि वह कौन सा अभिनेता है। दर्शकों ने किरदार पर ध्यान देना शुरू कर दिया।

दानिश ने आगे बताया कि उन्हें पूरी पटकथा नहीं दी गई थी। उन्हें सिर्फ उनके दृश्य के बारे में बताया गया था। दानिश बोले, पूरी पटकथा को एक खुफिया दस्तावेज की तरह रखा गया था। मुझे नहीं पता था कि मेरे हिस्से से पहले और बाद में क्या होने वाला है। न तो मुझे इसके बारे में बताया गया था और न ही मैंने जानने की कोशिश की। दानिश ने बताया कि निर्माता ने पहले उनसे कहा था कि स्क्रिप्ट तैयार होते ही वो उन्हें भेज देंगे, लेकिन स्क्रिप्ट उन तक कभी नहीं पहुंची। दानिश ने कहा, अब मुझे समझ आया कि वो स्क्रिप्ट कभी भी साझा नहीं करना चाहते थे, क्योंकि स्क्रिप्ट 2024 की शुरुआत में ही तैयार हो गई थी। अब जब फिल्म प्रदर्शित हो चुकी है, तो मैं समझ सकता हूं कि उनके लिए फिल्म की स्क्रिप्ट को बचा कर रखना कितना जरूरी था। दानिश इकबाल ने बताया कि बड़े साहब का किरदार निभाते समय उनके लिए सबसे मुश्किल काम मेकअप करना था। मेकअप को 12 घंटे तक लगाए रखने के बाद मानसिक रूप से उससे बाहर निकलने में कम से कम एक घंटा लग जाता था।

मोहनलाल ने अपनी 100वीं फिल्म की घोषणा की

मशहूर अभिनेता मोहनलाल ने अपनी 100वीं फिल्म की घोषणा की है। इस फिल्म में वह एक बार फिर प्रियदर्शन के साथ काम कर रहे हैं। दोनों ने पहले 40 से अधिक फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें 'पूचक्कोरु मुक्कुथी' (1984), 'थलवट्टम'(1986), 'वेल्लानाकालुडे नाडु' (1988), 'चित्रम' (1988), और 1989 में आई फिल्म 'वंदनम' शामिल हैं। मोहनलाल ने एक पोस्ट साझा करते हुए इस फिल्म घोषणा की और साथ में एक नोट भी लिखा। अभिनेता ने आगामी परियोजना को 'ऐतिहासिक' करार दिया। इसका निर्माण आशीर्वाद सिनेमा के बैनर तले एंटनी पेरुंबवूर करेंगे और बिनु जार्ज अलेक्जेंडर सह-निर्माता होंगे। अभिनेता ने लिखा, कुछ उपलब्धियां सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं होतीं। वे उन सभी की होती हैं जो इस सफर के साक्षी बने। मैं और मेरे प्रिय प्रियन (प्रियदर्शन) मेरी 100वीं फिल्म में साथ काम कर रहे हैं, और मेरे लिए इसका जो अर्थ है उसे व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं... सौ फिल्में सिर्फ एक संख्या नहीं हैं। यह जीवन भर की कहानियां हैं जिन्हें जुनून के साथ सुनाया गया है, सिनेमा के जादू में विश्वास से प्रेरित अनगिनत सुबहें हैं,

चेक गुमने की सूचना

मैं अब्दुल कलाम अंसारी उम्र 40 वर्ष पिता मोहम्मद गुलजार अंसारी, निवास तरहटी पुलिस चौकी रीवा तहसील हुजूर जिला रीवा म0प्र0 का निवासी हूं। यह कि मेरा एक नग चेक क्रमांक 000082 बैंक आफ बड़ौदा शाखा पीली कोठी रीवा, तहसील हुजूर जिला रीवा म0प्र0 का था जो कि दिनांक 26/03/2026 को अपने व्यवसायिक दुकान से बैंक जाते वक्त न्यू बस स्टैण्ड के पास रीवा में जेब से गिर गया। जो कि ब्लैंक चेक हस्ताक्षर किया हुआ है। यह कि उक्त चेक का कोई दुरूपयोग न करे इसलिए उक्त चेक की गुमशुदगी की सूचना समान थाना में दर्ज करवा दी गई है और बैंक में भी सूचना देकर इस इश्तहार का प्रकाशन करवा जा रहा है।

अब्दुल कलाम अंसारी
तरहटी रीवा म.प्र.

नाम सुधार सूचना

मैं अब्दुल सलाम रजब खान (ABDUL SALAM RAJJAB KHAN) पिता रजब शहबाज खान (RAJJAB SHAHBAZ KHAN) 175/ख, अमिती मकान नं. 182, टू एंड पांती बड़ी, रीवा म.प्र. 486553 का निवासी हूं। यह कि मेरा पासपोर्ट बना था जिसमें मेरा नाम अब्दुल सलाम खान (ABDUL SALAM KHAN) और पिता का नाम रजब खान शहबाज खान (RAJJAB KHAN SHAHBAZ KHAN) व पता 161, ई-ब्लाक, एम.बी.पी.टी. कालोनी नियर अमर सिनेमा गोवंडी, मुम्बई 400088 महाराष्ट्र भारत दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा सही नाम व पता अब्दुल सलाम रजब खान (ABDUL SALAM RAJJAB KHAN) पिता रजब शहबाज खान (RAJJAB SHAHBAZ KHAN) पता 175/ख, अमिती मकान नं. 182, टू एंड पांती बड़ी, रीवा म.प्र. 486553 दर्ज है मुझे पासपोर्ट का नवीनीकरण कराना है जिसमें मेरा सही नाम व पता अब्दुल सलाम रजब खान (ABDUL SALAM RAJJAB KHAN) पिता रजब शहबाज खान (RAJJAB SHAHBAZ KHAN) पता 175/ख, अमिती मकान नं. 182, टू एंड पांती बड़ी, रीवा म.प्र. 486553 दर्ज किया जावे और मुझे इसी नाम व पता से जाना समझा लिखा व पढ़ा जावे।

अब्दुल सलाम रजब खान

'धुरंधर 2' की कमाई 919 करोड़ के पार

धुरंधर 2: द रिवेंज बाक्स आफिस पर शानदार शुरुआत की है। शुरूआती 5 दिनों में रिकार्डतोड़ कमाई करने वाली इस फिल्म ने छठे दिन भी रफ्तार बनाए रखी। बाक्स आफिस पर रणवीर सिंह का जलवा बरकरार है। आपको बता दें कि निर्देशक आदित्य धर की फिल्म पांचवें दिन तक 519.12 करोड़ की कमाई कर चुकी था। ताजा आंकड़ों की मानें तो दुनिया भर में अब तक धुरंधर 919 करोड़ रुपए की कर चुकी है। फिल्म ने पहले दिन 102.55 करोड़, दूसरे दिन 80.72 करोड़, तीसरे दिन 113 करोड़ और चौथे दिन पर 114.85 करोड़ की जबरदस्त कमाई की थी। कुल मिलाकर, धुरंधर 2 अभी भी बाक्स आफिस पर मजबूती से टिकी हुई है, लेकिन असली परीक्षा अब होगी कि फिल्म कितनी तेजी से एक हजार करोड़ के क्लब की ओर बढ़ती है।

'माफी मांगने के लिए तैयार हूं'

फिल्म 'कांतारा' के दैवा सीन की नकल करने के मामले में अभिनेता रणवीर सिंह 10 अप्रैल को कर्नाटक हाईकोर्ट में बिना शर्त माफी का हलफनामा दाखिल करेंगे। अभिनेता की ओर से यह कदम कन्नड़ समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में दर्ज एफआइआर के बाद उठाया गया है। अदालत में सुनवाई के दौरान रणवीर सिंह ने स्वेच्छा से एक प्रस्ताव रखा है कि वे खुद मैसूर के चामुंडी मंदिर जाकर व्यक्तिगत रूप से माफी मांगने के लिए तैयार हैं।

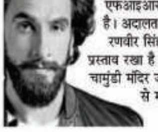

'मैं कोई फैशन आइकन नहीं'

सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने छोटे से करिअर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी ने अब सोशल मीडिया पर फैशन के बढ़ते दबाव के बारे में खुलकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपने लक्ष्य को लेकर भी बताया। सिद्धांत ने स्पष्ट तौर पर कहा कि मेरी पहली पहचान एक अभिनेता के रूप में है, न कि फैशन आइकन के रूप में।

टेबल टेनिस - बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और असम की दोहरी जीत; गुजरात की उम्मीदें बरकरार

- राजस्थान, तमिलनाडु और पीएसपीबीए ने भी क्वार्टर फाइनल की ओर बढ़ाए कदम -

गांधीधाम यूटीटी 87वीं इंटर-स्टेट सब-जुनियर और कैडेट नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के अंतर्गत गर्ल्स अंडर-15 टीम स्पर्धा का आगाज दबदबे वाली जीत और अंतिम क्षणों तक चलने वाले रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। एम. पी. मित्रा इंडोर स्टेडियम के हरेष संगतानी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए शुरुआती मैचों में पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, पीएसपीबीए, कर्नाटक, असम, राजस्थान, एनसीओई और तमिलनाडु जैसी दिग्गज टीमों ने लगातार दो जीत दर्ज कर प्री-क्वार्टर फाइनल की ओर मजबूती से कदम बढ़ा दिए हैं। हालांकि, ग्रुप मैचों का अंतिम दौर शेष होने के कारण शीर्ष स्थानों के लिए समीकरण अभी भी पूरी तरह खुले हुए हैं।शनिवार का सबसे रोमांचक संघर्ष ग्रुप-जी में देखने को मिला, जहाँ मेजबान गुजरात की टीम को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा। इस उतार-चढ़ाव भरे मुकाबले की शुरुआत गुजरात के लिए निराशाजनक रही, जब चार्मय त्रिवेदी को रुद्रांशी के खिलाफ एक मैराथन मैच में हार झेलनी पड़ी। इसके बाद दनिया गोडिल ने धैर्यपूर्ण खेल दिखाते हुए गुजरात को बराबरी पर ला खड़ा किया, लेकिन हिमाचल ने डबल्स जीतकर एक बार फिर बढ़त बना ली। हार के करीब खड़ी गुजरात की टीम के लिए दनिया ने संकट के क्षणों में रुद्रांशी को चार गेम के कड़े मुकाबले में मात देकर उम्मीदें जगाई। अंततः चार्मय त्रिवेदी ने अपनी शुरुआती हार के मानसिक दबाव को पीछे छोड़ते हुए आरत्रिका शर्मा पर निर्णायक जीत दर्ज कर गुजरात की झोली में सफलता डाल दी। हालांकि, दूसरे दौर में गुजरात को एनसीओई के हाथों 1-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी, जिसके कारण अब उनकी क्वालिफिकेशन की उम्मीदें झारखंड के खिलाफ होने वाले अंतिम मुकाबले पर टिक गई हैं।अन्य ग्रुपों में भी कशमकश भरे मुकाबले देखने को मिले। ग्रुप-डी में कर्नाटक ने हरियाणा के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज की, जिसमें तनिष्का कालभैरव ने महत्वपूर्ण मोड़ पर टीम को मजबूती प्रदान की। हरियाणा की जुझारू वापसी के बावजूद राशि राव ने सीधे गेम में जीत दर्ज कर कर्नाटक का ग्रुप में शीर्ष स्थान सुरक्षित किया। इसी तरह ग्रुप-ई में असम ने तेलंगाना के विरुद्ध 3-2 की कड़ी जीत के साथ अपना लोहा मनवाया। द्विज पॉल की शुरुआती बढ़त और सांवी कमरापू के नेतृत्व में तेलंगाना के संघर्ष के बीच इशानी गोगोई ने निर्णायक मैच जीतकर असम को सफलता दिलाई। इसी ग्रुप में केरल ने मिजोरम को 3-2 से हराकर अपनी संभावनाओं को जीवित रखा है।प्रतियोगिता के अब तक के परिणामों पर नजर डालें तो ग्रुप-ए में पश्चिम बंगाल ने पुडुचेरी को 3-0 और उत्तर प्रदेश को 3-1 से पराजित किया।

फाइनल में पहुंचे सिनर, लेहेका से होगा मुकाबला

मियामी (ईएमएस)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर मियामी ओपन टेनिस में जीत के साथ ही मियामी ओपन के फाइनल में पहुंच गये हैं। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3, 7-6(4) से हराया। इस जीत के साथ ही सिनर ने एक अहम उपलब्धि भी अपने नाम कर ली है। अब वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट्स में लगातार 32 सेट जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी बन गये हैं। इसी के पास इस सत्र में अपना दूसरा खिताब जीतने का अवसर भी है। हाल ही में सिनर ने इंडियन वेल्स में भी खिताबी मुकाबला जीता था। अब रविवार को होने वाले फाइनल में सिनर का सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका से होगा। लेहेका ने एक अन्य सेमीफाइनल मेंआर्थर फिल्स को 6-2, 6-2 से हराकर अपने करियर में पहली बार मास्टर्स 1000 फाइनल में जगह बनाई है। सिनर अब खिताब जीतकर स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बनाना चाहेंगे। सनशाइन डबल उसे कहते हैं जब कोई खिलाड़ी इंडियन वेल्स और मियामी दोनों ही खिताब जीत ले। सिनर ने इसी महीने की शुरुआत में इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में भी ज्वेरेव को पराजित किया था। एटीपी के मुकाबलों में अब सिनर 8-4 से आगे हैं।

एमआई विरुद्ध केकेआर - वानखेड़े में हाईवोल्टेज टक्कर

- आंकड़ों में मुंबई भारी लेकिन हालिया फॉर्म में कोलकाता आगे

नई दिल्ली आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत के साथ ही रोमांच अपने चरम पर पहुंचने वाला है। टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला बेहद दिलचस्प रहने की उम्मीद है, जहां मुंबई इंडियस और कोलकाता नाइट रायडर आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेडे स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेंगी।

मुंबई इंडियंस की कप्तानी हार्दिक पाण्डया के हाथों में है, जबकि कोलकाता नाइटराइडर्स की कमान अजिक्य रहाणे संभाल रहे हैं। दोनों कप्तानों के लिए यह मुकाबला खास होगा, क्योंकि शुरुआती जीत टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दे सकती है। अगर दोनों टीमों के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां मुंबई इंडियंस का पलड़ा साफ तौर पर भारी नजर आता है। अब तक दोनों के बीच कुल 35 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें मुंबई ने 24 मैच जीते हैं, जबकि कोलकाता को सिर्फ 11 मैचों में जीत मिली है। शुरुआती सीजन में मुंबई ने लगातार दबदबा बनाए रखा और 2008-09 में सभी मुकाबले अपने नाम किए।हालांकि, 2012 के बाद तस्वीर थोड़ी बदली। 2014 और 2015 में केकेआर ने मुंबई पर बढ़त बनाई और चार में से तीन मैच जीते। इसके बाद 2016 से 2018 तक मुंबई ने फिर से पूरी तरह वापसी करते हुए लगातार सात मुकाबले जीत लिए। लेकिन हालिया सीजनों पर नजर डालें तो कोलकाता ने बेहतर प्रदर्शन किया है। पिछले चार सीजन में दोनों टीमों के बीच खेले गए छह मुकाबलों में से चार में केकेआर ने जीत दर्ज की है, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। खिताब की बात करें तो मुंबई इंडियंस अब तक पांच बार आईपीएल ट्रॉफी जीत चुकी है और छठे खिताब की तलाश में है। टीम ने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 में खिताब अपने नाम किए थे। वहीं, कोलकाता नाइटराइडर्स तीन बार (2012, 2014 और 2024) चैंपियन बन चुकी है और इस सीजन में अपने प्रदर्शन को और मजबूत करना चाहेगी।

कुल मिलाकर यह मुकाबला आंकड़ों और मौजूदा फॉर्म के बीच दिलचस्प जंग होने वाला है। जहां एक ओर इतिहास मुंबई के पक्ष में है, वहीं हालिया प्रदर्शन के आधार पर कोलकाता को हल्के में नहीं आंका जा सकता। क्रिकेट फैंस के लिए यह मैच एक रोमांचक शुरुआत का वादा करता है।

मुंबई इंडियंस की टीम

रॉबिन मिंज, नमन धीर, शेरफेन रदरफोर्ड, रयान रिकेलटन, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या (कप्तान), राज बावा, विल जैक्स, कॉर्बिन बॉश, मिशेल सैंटनर, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, अश्वनी कुमार, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, मयंक मारकंडे, शार्दुल ठाकुर, क्विंटन डी कॉक, एएम गजनफर, रघु शर्मा, मयंक रावत, दानिश मालेवार, अथर्व अंकोलेकर, मोहम्मद सलाउद्दीन इजहार.

गोरखपुर में भारतीय महिला रोइंग टीम का शिविर शुरू

ई दिल्ली,

जापान में इस साल के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए टीम की तैयारियों को और मजबूत करने के उद्देश्य से महिलाओं के लिए 51 दिवसीय राष्ट्रीय रोइंग शिविर शुक्रवार को गोरखपुर में शुरू हो गया। रामगढ़ झील स्थित जल क्रीड़ा परिसर में यह शिविर भारतीय रोइंग महासंघ के अनुरोध पर भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य 19 सितंबर से चार अक्तूबर तक आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए टीम को अच्छी तरह से तैयार करना है। भारतीय रोइंग महासंघ के उपाध्यक्ष और उत्तर प्रदेश रोइंग संघ के सचिव सुधीर शर्मा ने बताया कि खिलाड़ी और कोच गोरखपुर पहुंच चुके हैं। एशियाई खेलों में रोइंग प्रतियोगिताएं 20 से 25 सितंबर तक गिफू प्रांत के काइजू शहर में स्थित नागरागावा अंतरराष्ट्रीय रेगाटा कोर्स में आयोजित की जाएंगी।

एशियाई खेलों के लिए कबड्डी शिविर बेल्लारी में आयोजित किया गया

बेल्लारी,

नवीन कुमार, पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल और सोनाली विष्णु शिंगटे सहित पुरुष और महिला वर्ग के कई प्रमुख कबड्डी खिलाड़ी इस वर्ष के आखिर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले यहां अनुकूलन शिविर में भाग ले रहे हैं। यह शिविर 27 मार्च से दो अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा जिसमें खिलाड़ियों के विकास, फिटनेस, अनुकूलन और प्रदर्शन में उत्कृष्टता हासिल करने पर ध्यान दिया जाएगा। भारत लंबे समय से इस खेल में एक मजबूत शक्ति रहा है। दशकों से पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारत महाद्वीपीय स्तर पर अपना दबदबा बनाए हुए है। एशियाई खेलों में पुरुष और महिला कबड्डी दोनों में भारत मौजूदा चैंपियन है। भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ ने एक विज्ञप्ति में बताया कि पुरुष वर्ग में नवीन कुमार, अर्जुन देशवाल, पवन सहरावत, असलम इनामदार, सुनील कुमार, आशु मलिक और भरत हुड्डा शिविर का हिस्सा हैं। महिला टीम में प्रमुख खिलाड़ियों में कबड्डी विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य शामिल हैं।

इटली ने उत्तरी आयरलैंड को हराया, विश्व कप में जगह बनाने के करीब

लंदन,

इटली ने प्लेआफ के पहले मैच में उत्तरी आयरलैंड को 2-0 से हराकर विश्व कप फुटबाल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा।

चार बार के चैंपियन इटली को अब विश्व कप के लिए लगातार तीसरी बार क्वालीफाई करने से चूकने से बचने के लिए एक और मैच जीतना होगा। बर्गामो में खेले गए इस मैच में इटली की तरफ से सैंड्रो टोनाली ने दूसरे हाफ की शुरुआत में हाफ-वाली शाट से पहला गोल करके गतिरोध तोड़ा और फिर मोइसे कीन ने एक और गोल करके उसकी जीत सुनिश्चित की। बोस्निया और हर्जेगोविना, स्वीडन, पोलैंड, तुर्किए, कोसोवो, डेनमार्क और चेक गणराज्य भी मंगलवार को होने वाले प्लेआफ फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहे। इटली को अब बोस्निया और हर्जेगोविना का दौरा करना होगा, जहां उसे अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में अपनी जगह पक्की करने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। बोस्निया ने वेल्स को और चेक गणराज्य ने पेनल्टी शूटआउट में आयरलैंड को हराया।

प्लेआफ के फाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य का सामना डेनमार्क से, स्वीडन का पोलैंड से और तुर्किए का कोसोवो से होगा। विक्टर ग्योकेरेस ने हैट्रिक लगाकर स्वीडन को यूक्रेन के खिलाफ 3-1 से जीत दिलाई, जबकि उन्होंने 2024 के बाद से अपने देश के लिए कोई गोल नहीं किया था। यह मैच स्पेन में खेला गया क्योंकि यूक्रेन ने 2022 में रूस के हमले के बाद से अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी नहीं की है। पोलैंड ने अल्बानिया को 2-1 से हराया जिसमें 37 वर्षीय राबर्ट लेंवाडोवस्की का हेडर से किया गया गोल भी शामिल है।

टेक्सास: बास्केटबाल टूर्नामेंट में नेब्रास्का कार्नहस्कर्स के सैम हाइवर्ग (बाएं) से गेंद के लिए संघर्ष करते आयोवा हाकेयेस के टैवियन बैंक्स।

भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा

विश्व कप व एशियाई खेलों के लिए अलग टीमें नहीं

नई दिल्ली,

इस साल हाकी विश्व कप और एशियाई खेलों के बीच अधिक अंतर नहीं होने के बावजूद भारतीय पुरुष हाकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने दोनों टूर्नामेंटों मे अलग-अलग टीमें उतारने से इनकार करते हुए कहा कि एक ही कोर टीम रहेगी जिसके इर्द गिर्द चयन होगा।

हाकी विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्तूबर के बीच होंगे जिसमें विजयी टीम सीधे लास एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करेगी। आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय टीम ने अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालम्पुर में विश्व कप जीता है। यह पूछने पर कि क्या विश्व कप और एशियाई खेलों के बीच अधिक समय नहीं होने के कारण दो अलग अलग टीमें उतारी जाएंगी, फुल्टन ने कहा, 'नहीं। दोनों टूर्नामेंटों के बीच तीन सप्ताह का अंतर है लेकिन एक ही टीम रहेगी जिसके इर्द गिर्द चयन होगा।' उन्होंने स्वीकार किया कि एशियाई टीमों के लिए यह कठिन है लेकिन उन्होंने इसके लिए एक साल पहले से भारत ए टीम के जरिए तैयारी शुरू कर दी थी।

हाकी

विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा

हाकी विश्व कप 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में खेला जाएगा जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से चार अक्तूबर के बीच होंगे जिसमें विजयी टीम सीधे लास एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई करेगी। आठ बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय टीम ने अब तक सिर्फ एक बार 1975 में कुआलालम्पुर में विश्व कप जीता है। दोनों टूर्नामेंटों के बीच तीन सप्ताह का अंतर है लेकिन एक ही टीम रहेगी जिसके इर्द गिर्द चयन होगा।'

ओलंपिक पदक विजेता गुरजंत ने अंतरराष्ट्रीय हाकी से लिया संन्यास

नई दिल्ली,

तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हाकी टीम का हिस्सा रहे फारवर्ड गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय हाकी को अलविदा कह दिया।

भारत के लिए 2017 में पदार्पण करने वाले 31 वर्ष के गुरजंत ने 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 33 गोल किए। पिछले साल जून में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले गुरजंत ने यहां हाकी इंडिया सालाना पुरस्कारों के दौरान अंतरराष्ट्रीय हाकी से संन्यास की घोषणा की। गुरजंत ने कहा कि मैंने यहां मौजूद दिग्गजों को देखकर हाकी खेलना शुरू किया था और उनके साथ भारत के लिए खेलने का मेरा सपना पूरा हुआ जिसे मैं कभी भूल नहीं सकूंगा। उन्होंने कहा कि मेरा यह सफर बहुत अच्छा रहा और तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद ऐतिहासिक पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रहा। इसके बाद पेरिस ओलंपिक 2024 में भी उसे प्रदर्शन को दोहराया। मैं बहुत खुशी और गर्व के साथ विदा ले रहा हूं। गुरजंत के नाम सबसे तेज अंतरराष्ट्रीय गोल का भारतीय रिकार्ड भी है। उन्होंने यह भी कहा कि वह घरेलु हाकी और लीग खेलते रहेंगे लेकिन कोचिंग के बारे में अभी सोचा नहीं है। गुरजंत ने कहा कि मैंने पिछले जून के बाद से अंतरराष्ट्रीय हाकी नहीं खेली है। इस साल हाकी इंडिया लीग खेली और आगे भी खेलूंगा। अमृतसर के खैलारा गांव में जन्मे गुरजंत लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे थे और उन्होंने फाइनल में गोल भी दागा था।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में पहला मैच सनराइजर्स हैदराबाद से | क्रिकेट | रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु की निगाह खिताब बचाने पर

इंडियन प्रीमियर लीग का आगाज आज से, दर्शकों में उत्साह

बंगलुरु,

मौजूदा चैंपियन रायल चैलेंजर्स बंगलुरु (आरसीबी) शनिवार से यहां शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) में अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

आइपीएल में अगले दो महीनों में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ कुछ युवा खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी जो अच्छा प्रदर्शन करके अपनी छाप छोड़ने में कोई कसर नहीं रखेंगे। आरसीबी टूनार्मेंट के उद्घाटन मैच में चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद की मेजबानी करेगा और उसका लक्ष्य शानदार शुरूआत करना होगा। लेकिन इस मैच से पहले माहौल थोड़ा गंभीर बना हुआ है क्योंकि पिछले साल चार जून को आरसीबी के खिताब जीतने के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आरसीबी प्रबंधन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति को बनाए रखने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। केएससीए ने स्टेडियम में 11 सीटें स्थायी रूप से खाली छोड़ने की घोषणा की है। इस स्टेडियम को आइपीएल मैचों की मेजबानी के लिए राज्य सरकार से अनुमति मिलने से पहले कई अनिश्चित महीनों का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के खिलाड़ी पहले मैच के दिन अभ्यास सत्र के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। जहां तक मैच का सवाल है तो आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेजलवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे।

मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के पास कुल मिलाकर 13 आइपीएल खिताब हैं। लेकिन पिछला सत्र उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। मुंबई की टीम पिछले सत्र में चौथे स्थान पर रहकर प्लेआफ में पहुंची थी। पांच बार की चैंपियन यह टीम अपने इस प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करेगी। केकेआर और सीएसके क्रमशः आठवें और दसवें स्थान पर रहे थे। उन्होंने अपनी टीमों में काफी बदलाव किया है। सीएसके ने राजस्थान रायल्स के पूर्व कप्तान संजू सैमसन को टीम में शामिल किया तथा मैट हेनरी और नूर अहमद को भी टीम में जोड़ा है।

खेलो इंडिया ट्राइबल खेल में कर्नाटक ने दस से अधिक स्वर्ण जीते

रायपुर,

कर्नाटक ने तरणताल में शानदार प्रदर्शन के दम पर पहले खेलो इंडिया ट्राइबल खेलों में अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखा जबकि मेजबान छत्तीसगढ ने शुक्रवार को एक रजत और दो कांस्य पदक जीते।

कर्नाटक के लिए मणिकांता एल ने एक बार फिर प्रभावी प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक और अपने खाते में डाला। कर्नाटक ने तीसरे दिन तक 13 स्वर्ण, पांच रजत और एक कांस्य पदक जीत लिया था। ओड़ीशा छह स्वर्ण, दो रजत और नौ कांस्य पदक जीतकर दूसरे स्थान पर है जबकि असम ने दो स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक जीत लिए हैं। छत्तीसगढ और त्रिपुरा छह-छह पदक जीतकर सातवें स्थान पर हैं। छत्तीसगढ के लिए अनुष्का भगत ने तीसरा रजत पदक जीता। वह महिलाओं की 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में दूसरे स्थान पर रही।

कृषि एवं विज्ञान में नवाचार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

रसायन मुक्त और अधिक उत्पादन देने वाला बीज विकसित करना है बड़ी चुनौती

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कृषि महाविद्यालय रीवा में विकसित भारत 2047 के लिए विज्ञान और कृषि में नवाचार विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शुभारंभ किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। हम वर्तमान में विपुल अन्न और फल सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। उत्पादन बढ़ाने के लिए हमने खाद और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग किया है, जिसके कारण धरती माता बीमार हो गई हैं। धरती माता को स्वस्थ रखना और भावी पीढ़ी को स्वस्थ जीवन देने के लिए प्राकृतिक खेती इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। गोपालन पर आधारित प्राकृतिक खेती से ही हमें अच्छे स्वास्थ्य की नेमत मिलेगी। हर किसान अपनी कुल जमीन के दस प्रतिशत भाग पर प्राकृतिक विधि से अनाज फल और सब्जी का उत्पादन करें जिससे कम से कम उसके परिवार को रसायन रहित पौष्टिक आहार मिल सके। सेमिनार का आयोजन कृषि महाविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, एकेएस यूनि ?वर्सिटी तथा श्याम दुलारे तिवारी शिक्षा एवं शोध संस्थान द्वारा किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए लगातार किसानों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही देश के गृहमंत्री श्री अमित शाह जी ने बसामन मामा गौ अभ्यारण्य में प्राकृतिक खेती के प्रकल्प का शुभारंभ किया। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लिए किया जा रहे प्रयासों की सराहना की। कृषि वैज्ञानिकों और अनुसंधानकर्ताओं के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि अन्न उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ ऐसी किस्म का विकास करें जिससे माटी की उर्वरा शक्ति बनी रहे, धरती बीमार न हो और पौष्टिक अनाज से हम सब भी स्वस्थ रहें। समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि वर्ष 2047 की अनुमानित जनसंख्या को ध्यान में रखकर प्राकृतिक खेती तथा अनाज उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित करना होगा। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के स्थान पर जैविक विधि से बनाई गई खाद तथा कीटनाशकों का उपयोग करना होगा, जिससे धरती का स्वास्थ्य और मानव के लिए हितकारी जीवाणु, कीट और पक्षी रह सकें। सेमिनार में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरू प्रोफेसर पीके मिश्रा ने कहा कि कोरोना काल ने हमें प्रकृति की ओर लौटने और प्राकृतिक खेती को अपनाने के स्पष्ट संकेत दिए हैं। हमारा अस्तित्व तभी तक है जब तक हम प्रकृति के अनुसार आचरण करेंगे। निर्माण कार्यों, बड़े बांध, खनन परियोजनाओं से वनों का विनाश होने के साथ-साथ खेती की जमीन घट रही है। साथ ही पूरी दुनिया में जल संकट की आहट है। युवा, कृषि वैज्ञानिक और शोधकर्ताओं के कंधों पर इन संकटों को दूर करने की जिम्मेदारी है। हमारे पूर्वजों ने बहुत सोच समझकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से खेती के साथ गोपालन को जोड़ा और धरती तथा गौ को माता के समान आदर दिया।

कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के लिए ब्रिज कोर्स,नई शैक्षणिक सत्र में नई व्यवस्था

विद्यार्थियों में सामाजिक और मानवीय समझ को विकसित करने और उनकी बुनियादी शैक्षणिक गतिविधि में सुधार करने के लिए कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स का संचालन शुरू होने जा रहा है।

लोक शिक्षण संचालनालय आयुक्त शिल्पा गुप्ता और अपर संचालक मनीष वर्मा का कहना है कि विद्यार्थी जीवन में नया सीखने की ललक तो होती ही है, उन्हें पढ़ाई के साथ विश्लेषणात्मक तथ्यों से जोड़ा जाना बेहद आवश्यक है। इसीलिए कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स की शुरुआत इस वर्ष की जा रही है, ताकि उनकी समझ विकसित हो सके, तार्किक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को आत्मसात कर सकें।

शिक्षण पद्धति में नवाचार

इस कोर्स में शिक्षक केवल पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। चर्चा, वाद-विवाद, भूमिका निर्वाह और परियोजना कार्य जैसी विधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया अधिक जीवंत, रोचक और प्रभावी बनेगी।

तीन चरणों में मूल्यांकन किया जाएगा बेसलाइन टेस्ट-1 अप्रैल से विद्यालय खुलते ही मिडलाइन टेस्ट-28 से 30 जून (ग्रीष्मावकाश के बाद) टेस्ट- जुलाई में इन परीक्षणों के प्राप्त अंकों का 50 फीसदी त्रैमासिक परीक्षा में जोड़ा जाएगा। सभी परिणामों की प्रविष्टि विमर्श पोर्टल पर की जाएगी। यह एडलाइन टेस्ट जुलाई में होंगे।

सतत मॉनीटरिंग की व्यवस्था

जिला शिक्षा अधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा ब्रिज कोर्स की नियमित मॉनीटरिंग की जाएगी। ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षण कार्य, उपस्थिति, अध्ययन सामग्री एवं विद्यार्थियों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री आज करेंगे कार्यालय भवन का लोकार्पण

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 29 मार्च को अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण समारोह सुबह 10.30 बजे से लाडली लक्ष्मी पथ न्यू साइंस कालेज के सामने रीवा में आरंभ होगा। समारोह की अध्यक्षता सांसद श्री जनार्दन मिश्र करेंगे। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय तथा रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद शामिल होंगे। अतिरिक्त संचालक डॉ. आरपी सिंह ने सभी आमंत्रितों से समारोह में उपस्थित रहने का अनुरोध किया है।

उप मुख्यमंत्री ने मनकामेश्वर मंदिर में की पूजा

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने रीवा शहर के मनकामेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर सभी के कल्याण की कामना की। साथ ही मंदिर में जनभागीदारी से कराए जा रहे सौंदर्यीकरण कार्य का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्राचीन मंदिर हजारों लोगों की आस्था का केन्द्र है। इसका निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराएं। इसके परिसर विस्तार से भक्तों को दर्शन और पूजा-अर्चना में सहूलियत मिलेगी। निरीक्षण के समय निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शारदेय नवरात्रि में दर्शनार्थियों के लिए प्याऊ सेवा

मैहर। शक्तिपीठ मां शारदादेवी की नगरी मैहर में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर नवदीप समृद्धि जन कल्याण समिति द्वारा बंधा बैरियर में दर्शनार्थियों के लिए गुड़ व शीतल पेयजल उपलब्ध कराया गया। नवमी के सप्तमी को वस्त्रदान, फल एवं मिष्ठान का भी वितरण किया गया और दूर दराज से आए दर्शनार्थियों को राहत दी गई। नर सेवा ही नारायण सेवा का संदेश समिति की अध्यक्ष श्रीमती दीप्ति सिंह व नागेंद्र सिंह ने दिया। जो हमेशा ही सामाजिक कार्यों में सहयोग करती हैं। मां शारदा की पावन नगरी मैहर में पुण्य के कार्य कर यह अपने को सौभाग्य मानती हैं।

समिति की बैठक 30 मार्च को

रीवा (कीर्तिप्रभा) . कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक 30 मार्च को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित की गयी है। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र जेपी तिवारी ने बताया कि बैठक में एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन, विकास नीति एवं योजना के क्रियान्वयन के साथ ही जिला स्तर पर उद्योगों में आने वाली कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में चर्चा की जायेगी।

एमपी टास पोर्टल में छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 31 मार्च

रीवा (कीर्तिप्रभा) पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए एमपी टास पोर्टल में आवेदन पत्र 31 मार्च तक जमा किये जा सकते हैं। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग तथा अल्प संख्यक कल्याण ने जिले के शासकीय व अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों से अपेक्षा की है कि निर्धारित समयावधि मे पात्र विद्यार्थियों के आवेदन प्रस्तुत किये जांय ताकि उनका परीक्षण कर पोर्टल पर अगल चरण हेतु अग्रेषित किया जा सके।

सफर महंगा- 1 अप्रैल से बढ़ेगा टोल टैक्स

नागपुर जाने वाले वाहन चालकों के लिए 1 अप्रैल से सफर महंगा होने जा रहा है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने टोल टैक्स में 5 से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। नई दरें 1 अप्रैल से लागू होंगी। जबलपुर-नागपुर मार्ग पर पड़ने वाले टोल प्लाजा पर कार चालकों को 5 से 10 रुपए तक अतिरिक्त शुल्क देना पड़ सकता है। रोजाना इस रूट से आने-जाने वाले लोगों और व्यापारियों पर इसका सीधा असर पड़ेगा। ट्रकों और भारी वाहनों के लिए भी टोल दरों में वृद्धि की संभावना है, जिससे परिवहन लागत बढ़ सकती है। फास्टैग के जरिए बनने वाले सालाना पास में भी बढ़ोतरी की गई है। अभी तक कार का सालाना पास 3 हजार रुपए में बनता था, जिसमें 200 बार टोल पार करने की सुविधा मिलती है। 1 अप्रैल से यही पास 3075 रुपए में बनेगा। टोल दरें होलसेल प्राइस इंडेक्स के आधार पर तय की जाती हैं।

महाशिवशक्ति रिसाल्ट मे सुन्दर कान्ड व विशाल भंडारे का आयोजन

प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व रीवा शहर का प्रतिष्ठित महाशिवशक्ति रिसाल्ट मे सुन्दर कान्ड व विशाल भन्डारे रा आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन मे इटैरा, टिकरी , बरा निराला नगर दरिका नगर अनंतपुर शहित शहर के लोगों ने भाग लिया। महाशिवशक्ति रिसाल्ट के संचालक कौशल प्रसाद ओझा (स्वामी जी) ने बताया कि धर्म, सत्य और मर्यादा के श्रेष्ठतम प्रतीक भगवान राम के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया है जिनके बताए मार्ग मे चलने से ही मानव समाज का कल्याण है। हमारे संस्थान मे सुन्दर कान्ड व विशाल भन्डारे का आयोजन कई वर्षो से किया जाता है जिसमे क्षेत्र के जन जन का दिली प्रेम रहता है लोग आते है। और अपने भक्ति भाव के साथ आयोजन मे भाग लेते है।

शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ लेने ऋण राशि जमा करने का आज अंतिम दिन

रीवा (कीर्तिप्रभा). जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अन्तर्गत रीवा और मऊगंज जिले की 148 कृषि साख सहकारी समितियाँ संचालित हैं। इन समितियों द्वारा खरीफ वर्ष 2025 में लगभग 35 हजार किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर 136 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया था। इनमें से 33500 किसानों द्वारा 128 करोड़ रुपए ऋण राशि जमा करा दी गई है। इस संबंध में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के महाप्रबंधक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने शेष किसानों से 28 मार्च तक बैंक से ली गई ऋण राशि जमा करने को कहा ह

घरेलू सिलेंडर और ऑटो दोनों प्रभावित, शहर में व्यापक असर

घर की रसोई से सड़क तक का संकट

शहर में एलपीजी की किल्लत अब केवल रसोई तक सीमित नहीं रही। इसका असर सड़क पर दौड़ने वाले ऑटो तक पहुंच गया है। एक ओर जहां घरेलू गैस सिलेंडर के लिए उपभोक्ताओं को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दुसरी ओर एलपीजी से चलने वाले ऑटो चालकों को पंपों पर गैस नहीं मिल पा रही। नतीजतन, घर की रसोई से लेकर शहर की सवारी व्यवस्था तक संकट गहराता जा रहा है।

शहर के कई इलाकों में घरेलु गैस की बुकिंग के बाद सिलेंडर मिलने में देरी हो रही है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले जहां दो-तीन दिन में डिलीवरी हो जाती थी, अब कई बार पांच से सात दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। इससे मध्यमवर्गीय और रोज कमाकर खाने वाले परिवारों की परेशानी बढ़ गई है। कई घरों में अस्थायी रूप से लकड़ी या वैकल्पिक साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।

बेरोजगार हुये आटो चालकज.

इसी बीच एलपीजी से चलने वाले ऑटो चालकों की स्थिति भी गंभीर हो गई है। पंपों पर सुबह से लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन दोपहर तक गैस खत्म होने की सूचना दे दी जाती है। कई चालक घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे हैं। मजबूरी में अनेक ऑटो सड़कों से गायब हो गए हैं। ऑटो चालकों का कहना है कि उनकी आय पूरी तरह दैनिक कमाई पर निर्भर है। एक दिन भी वाहन नहीं चला तो घर का खर्च प्रभावित होता है। बच्चों की फीस, राशन, किराया और ऑटो की मासिक किस्त जैसी जिम्मेदारियां लगातार चिंता बढ़ा रही हैं। पेट्रोल या डीजल से ऑटो चलाना महंगा पड़ता है, इसलिए वे एलपीजी पर ही निर्भर रहते हैं। गैस की कमी से उनका रोजगार ठप होने की कगार पर है।

इस संकट का असर शहर की आम जनता पर भी दिखने लगा है। कई रूटों पर ऑटो की संख्या कम हो गई है, जिससे यात्रियों को अधिक इंतजार करना पड़ रहा है। बाजारों में ग्राहकी पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि सस्ती और सुलभ सवारी कम होती जा रही है।

प्रशासन से हस्तक्षेप की मांगज

नागरिकों और ऑटो चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त किया जाए। पंपों पर नियमित सप्लाई और घरेलु सिलेंडरों की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित की जाए, ताकि शहर को इस दोहरे संकट से राहत मिल सके।

बिजली का बिल बढने से व्यापार और उद्योगों पर पड़ेगा प्रभाव, बढ़ेगी महंगाई

घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ औद्योगिक बिजली भी 50 पैसे प्रति यूनिट महंगी होगी

1 अप्रैल से बिजली की दरों में वृद्धि को लेकर कांग्रेस ने चिंता व्यक्त की है कि इससे प्रदेश का व्यापार और औद्योगिक क्षेत्र भी प्रभावित होगा, जिसके परिणाम स्वरूप लागत बढ़ेगी और महंगाई बढ़ने के आसार हैं। नियामक आयोग ने व्यापार और औद्योगिक क्षेत्र में कमर्शियल की दरों में 50 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा कर दिया है, जो इस बार से लागू किया जा रहा है।

प्रदेश में एक बार फिर बिजली महंगी करने की तैयारी पूरी हो गई है। इस बार नई दरों के हिसाब से बिजली बिल आएगा। विद्युत नियामक आयोग ने घरेलू बिजली कनेक्शन पर 4.98 प्रतिशत की वृद्धि कर दी है, जिससे उपभोक्ताओं पर भार आने की पूरी संभावना है। वहीं दूसरी ओर प्रदेश के व्यापार और औद्योगिक क्षेत्रों में भी बिजली दर महंगी की जा रही है। मध्यप्रदेश कांग्रेस उद्योग व व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अरविंद बागड़ी ने कहा कि प्रदेश में आम जनता पर इससे महंगाई का बोझ बढ़ेगा। सरकार घरेलू उपभोक्ताओं के बिलों में 4.98 प्रतिशत की वृद्धि तो कर रही है, वहीं औद्योगिक खपत के लिए दरें 5 रुपए 90 पैसे और 6 रुपए 10 पैसे से बढ़ाकर 6 रुपए 40 पैसे और 6 रुपए 60 पैसे प्रति यूनिट हो गई है। यानी 50 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा किया जा रहा है। इससे उत्पादन लागत बढ़ेगी, जिससे तैयार माल महंगा हो सकता है और छोटे उद्योग प्रभावित होंगे। इससे व्यापरिक क्षेत्र में 151 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले व्यावसायिक उपभोक्ताओं को फिक्स्ड चार्ज (28 रुपए से बढ़ाकर 30 रुपए प्रति 1 किलोवॉट) में बढ़ोतरी से महंगा बिल मिलेगा। व्यापारी और औद्योगिक क्षेत्र के लोग भी बिजली दरें बढ़ाने के फैसले का विरोध कर रहे हैं। कांग्रेस उनके साथ है। उन्होंने कहा कि बिजली बिल वृद्धि व्यवसाय की कमर तोड़ देगी। कई उद्योग बंद हो सकते हैं। सरकार उद्योगों के हित में तत्काल विद्युत दरों में हुई वृद्धि को वापस ले, नहीं तो उद्योगों का चलना मुश्किल हो जाएगा और बेरोजगारी बढ़ेगी।

पीएचई के उपयंत्री को किया निलंबित

खटखरी में निर्माणाधीन टंकी गिरने पर उपयंत्री निलंबित

मऊगंज जल जीवन मिशन के तहत एकल ग्राम नलजल योजना से मऊगंज जिले के ग्राम खटखरी में निर्माणाधीन टंकी 27 मार्च को ध्वस्त हो गई। टंकी निर्माण में लापरवाही बरतने तथा गुणवत्ता का ध्यान न रखने पर चीफ इंजीनियर पीएचई संजय कुमार अधवान ने उपयंत्री एपी तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबन के आदेश दिए हैं। श्री तिवारी वर्तमान में सहायक यंत्री त्योंथर डिवीजन के प्रभारी के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। निलंबन अवधि में श्री तिवारी का मुख्यालय अधीक्षण यंत्री कार्यालय रीवा निर्धारित किया गया है। श्री तिवारी को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। ५

रामनवमी में निकाली शोभायात्रा, जय श्रीराम के नारों से गूंजा शहर

मैहर। रामनवमी के पावन अवसर पर मां शारदा की नगरी मैहर में बड़ा अखाड़ा से भगवान श्रीराम की भव्य शोभा यात्रा धूमधाम के साथ निकाली गई। यह शोभायात्रा बड़ा अखाड़ा के संत सीतावल्लभ शरण जू महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित की गई जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा बड़ा अखाड़ा से प्रारंभ होकर किला चौक, पुरानी बस्ती, रहीम चौराहा, चौरसिया मोहल्ला, शारदा टॉकीज, घंटाघर, कटरा बाजार, काली मांता चौक और स्टेट बैंक चौराहा होते हुए चंडीदेवी मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में जगह जगह श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान आकर्षक झांकियां, भक्तिमय भजन और ढोल नगाड़ों की गूंज ने पूरे शहर को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी, देवेन्द्र पांडेय, सत्यभान सिंह, महेश दरियानी, कुलदीप तिवारी, महेश तिवारी, सूर्यप्रकाश चौरसिया, विश्वनाथ सिंह तिवारी, दिनेश सावलानी, जवाहर संतानी, मनोज चौरसिया, संजय जादवानी एवं राजू पटेल सहित काफी गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

नरवाई जलाने पर धारा 163 के तहत लागू हैं प्रतिबंधात्मक आदेश

नरवाई में आग लगाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिले में कृषकों तथा पशुपालकों को भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मियों में होने वाली आग की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। यह आदेश सम्पूर्ण रीवा जिले में लागू है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करके नरवाई जलाने पर दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 2500 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक के किसानों पर 5000 रुपए तथा पाँच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। वर्तमान परिस्थितियों में आदेश की व्यक्तिशः तामीली संभव नहीं है इसलिए भारतीय नागरिक संहिता की 2023 धारा 163 (2) के तहत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है। विभिन्न संचार माध्यमों से इसकी सूचना आमजनता को दी जा रही है। जारी आदेश के अनुसार रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों को आग के हवाले करने वाले किसानों के खिलाफ अब कठोर कार्यवाही की जाएगी। हार्वेस्टर के माध्यम से गेंहू की कटाई करने पर उसमें स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिन हार्वेस्टरों में अवशेष प्रबंधन सिस्टम नही होगा, उन्हें गेंहू काटने की अनुमति नही दी जायेगी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। जिले में चलने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिला परिवहन अधिकारी इसकी निगरानी करें। इसका उल्लंघन करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही करें। खेत में नरवाई जलाने से मिट्टी के कई लाभदायक सूक्ष्मजीव एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिसके कारण मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घट जाती है। इसलिए नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नरवाई जलाने के स्थान पर इसको स्ट्रारीपर से भूसा बनाकर पशुओं के भोजन के रूप में उपयोग करें। किसान यदि गेंहू के बाद अन्य कोई फसल लेना चाहता है तो हैप्पी सीडर और सुपर सीडर से फसल की बोनी करे। इससे नरवाई मिट्टी में मिलकर खाद के रूप में फसल के लिए पोषण का कार्य करेगी। नरवाई को बेलर, रैकर एवं चापर मशीन की सहायता से बंडल बनाकर औद्योगिक ईंधन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है।

जारी आदेश के अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी 2017 के नोटिफिकेशन में नरवाई जलाने पर दण्ड आरोपित करने का प्रावधान किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा भी फसल अवशेष अथवा नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसका उल्लंघन करने पर किसान पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश को पालन कराने के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। साथ ही सभी अनुभागों में एसडीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति गठित की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए खण्ड स्तर पर नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी एवं थाना प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। जिला दण्डाधिकारी ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को पटवारी के साथ नरवाई जलाने की घटनाओं का प्रतिवेदन तैयार कर तहसीलदार को भेजने के निर्देश दिए हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।